E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 33 | प्रयागराज, गुरूवार 09 अप्रैल, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिका/ईरान में 2 हफ्ते का सीजफायर,40 दिन बाद रुकी जंग, ट्रम्प बोले- पाक पीएम और आर्मी चीफ की अपील के बाद फैसला

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका और ईरान के बीच 40 दिन से जारी जंग के बाद आखिरकार 2 हफ्ते के सीजफायर पर सहमति बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि यह फैसला पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ की अपील के बाद लिया गया। सीजफायर से पहले ट्रम्प ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी थी कि अगर होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों को सुरक्षित रास्ता नहीं मिला तो वह उसकी पूरी सभ्यता खत्म कर देंगे। उन्होंने अहम इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले की भी धमकी दी थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह डील पाकिस्तान की मध्यस्थता और आखिरी समय में चीन के दखल के बाद संभव हो पाई। पाकिस्तान ने 2 हफ्ते के सीजफायर का प्रस्ताव रखा था, जिसे ईरान ने स्वीकार कर लिया। समझौते के तहत अमेरिका और इजराइल अपने हमले रोकेंगे। ईरान भी हमले बंद करेगा। इस दौरान होर्मुज स्ट्रेट से तेल, गैस और अन्य जहाजों की सुरक्षित आवाजाही ईरानी सेना की मदद से सुनिश्चित की जाएगी। इसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच 10 अप्रैल को औपचारिक बातचीत पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शुरू होगी। ट्रम्प ने बताया कि ईरान ने अमेरिका को 10 पॉइंट का प्लान भेजा है। उन्होंने कहा कि इस पर आगे बातचीत की जा सकती है। वहीं ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने दावा किया है कि अमेरिका ने उसका 10 पॉइंट प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। काउंसिल के मुताबिक यह समझौता ईरान की शर्तों पर हुआ है और इसे देश की जीत बताया है। **अमेरिका को 10 पॉइंट का प्लान-** 1 हमले पूरी तरह बंद हों- अमेरिका और इजराइल से सभी सैन्य हमले खत्म करने की मांग की। 2 सभी सैंक्शन हटाए जाएं-सभी आर्थिक प्रतिबंध हटाने की शर्त रखी। 3 फ्रीज किए गए एसेट्स वापस मिलें अपने सभी फ्रीज फंड और संपत्तियां वापस देने की मांग की। 4 जंग का स्थायी अंत-सिर्फ सीजफायर नहीं, बल्कि युद्ध पूरी तरह खत्म करने की शर्त रखी गई। 5 अमेरिकी सेना की वापसी-ईरान ने मिडिल ईस्ट में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों से सेना हटाने की मांग की। 6 नुकसान की भरपाई-जंग में हुए नुकसान के लिए आर्थिक मुआवजा या पुनर्निर्माण की व्यवस्था मांगी। 7 होर्मुज स्ट्रेट पर कंट्रोल-ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर अपना नियंत्रण बनाए रखने की शर्त रखी। 8 सुरक्षित आवाजाही, लेकिन शर्तों के साथ जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति होगी, लेकिन यह ईरानी सेना के समन्वय में होगी।

ममता बनर्जी ने भवानीपुर से नामांकन भरा

भाजपा के सुवेंदु अधिकारी यहां से उम्मीदवार,असम-केरल और पुडुचेरी में आचार संहिता लागु चुनाव प्रचार थमा

गुवाहाटी/कोलकाता/चेन्नई। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भवानीपुर विधानसभा सीट से नामांकन भरा। भाजपा ने इसी सीट से सुवेंदु अधिकारी को उम्मीदवार बनाया है। वे नेता विपक्ष भी हैं। सुवेंदु 2 अप्रैल को नामांकन कर चुके हैं। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह उनके साथ मौजूद थे। भवानीपुर के अलावा ममता और सुवेंदु नंदीग्राम से भी आमने-सामने हैं। 2021 में उन्होंने ममता को यहां से हराया था। वहीं, तमिलनाडु के सीएम स्टालिन करूर और इरोड में आज चुनावी सभा करेंगे। असम, केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को सिंगल फेज में वोटिंग है। इसलिए मंगलवार शाम 5 बजे तीन राज्यों में चुनाव प्रचार थमा। भाजपा पर बंगालियों के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा- सभी को 'दो मुंह वाले कोबरा और विषैले सांपों' से सावधान रहना चाहिए। पश्चिम बंगाल में मतदान दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होगा, जबकि परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे। टीवीके प्रमुख और तिरुचिरापल्ली पूर्व और पेरम्बूर विधानसभा सीटों से उम्मीदवार विजय ने तिरुनेलवेली में रोड शो किया। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाबानीपुर और नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्रों से भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी ने कहा- मतदाता सूची से न तो मेरा नाम हटाया गया है और न ही ममता बनर्जी का, तो किसका नाम हटाया गया है। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए 7 सीटों पर उम्मीदवार बदलेचुनाव प्रचार के दौरान डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन ने कहा- अगर 'संघी समूह' और एआईएडीएमके चुनाव जीतते हैं तो तमिलनाडु पिछड़ा राज्य बन जाएगा।

चुनाव बाद 22 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर होगा,39 करोड़ वोटर परिधि में आएंगे

बंगाल में करीब 91 लाख नाम कटे

नयी दिल्ली। पांच राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनाव के बाद चुनाव आयोग देशभर में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तीसरे और अंतिम फेज को लागू करने की तैयारी में है। इसमें दिल्ली सहित 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कवर किया जाएगा। चुनाव आयोग के अधिकारियों के मुताबिक, 29 अप्रैल को मतदान खत्म होने के बाद या नतीजों की घोषणा के बाद एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। इधर, पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान करीब 91 लाख नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। हालांकि कुल वोटर्स की फाइल संख्या का ऐलान अभी नहीं हुआ है। इस महीने केरल, असम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। इन राज्यों में मतदान 29 अप्रैल तक पूरा होगा, जबकि रिजल्ट 4 मई को आएंगे।चुनाव आयोग ने 24 जून 2025 को पूरे देश में एसआईआर कराने का आदेश दिया था। अब तक 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश कवर हो चुके हैं। एसआईआर के पहले फेज में बिहार में एसआईआर कराया गया था। दूसरे चरण में 28 अक्टूबर 2025 से 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया शुरू हुई। इनमें उत्तर प्रदेश को छोड़कर बाकी 12 राज्यों में फाइल वोटर लिस्ट जारी हो चुकी है, जबकि यूपी में प्रक्रिया जारी है। देश के करीब 99 करोड़ मतदाताओं में से 60 करोड़ को इस अभियान में शामिल किया जा चुका है। अब बाकी 39 करोड़ मतदाताओं को 17 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों में कवर किया जाएगा। पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान करीब 91 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, यह कार्रवाई नवंबर से चल रही प्रक्रिया के तहत की गई है, आयोग के 28 फरवरी तक के आंकड़ों के मुताबिक, एसआईआर शुरू होने के बाद 63.66 लाख नाम हटाए गए थे, जिससे मतदाताओं की संख्या करीब 7.66 करोड़ से घटकर 7.04 करोड़ रह गई। बाद में जांच और प्रक्रिया पूरी होने के साथ कुल हटाए गए नामों की संख्या बढ़कर करीब 90.83 लाख हो गई है।

टीएमसी का आरोप- चुनाव आयोग ने भगाया,एसआईआर पर आपत्ति जताने गए थे- चुनाव आयोग- इस बार बंगाल में चुनाव भयमुक्त होंगे

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर तृणमूल कांग्रेस और चुनाव आयोग आमने-सामने आ गए हैं। सांसद डेरेक ओ'ब्रायन के नेतृत्व में टीएमसी का प्रतिनिधि मंडल बुधवार सुबह दिल्ली में चुनाव आयोग से मिलने पहुंचा। डेरेक ने कहा कि हमने SIR के मुद्दे पर समय मांगा था, लेकिन मीटिंग के दौरान हमारे साथ खराब व्यवहार किया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ने हमें सिर्फ 5 मिनट में भगा दिया गया। डेरेक ओ'ब्रायन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बैठक सुबह 10:02 बजे शुरू हुई और 10:07 बजे खत्म हो गई। चुनाव आयोग के सूत्रों का कहना है कि डेरेक ओ'ब्रायन ने सीईसी को बोलने से रोका और धमकी दी। वह कोई बात सुन ही नहीं रहे थे। उधर, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ब्लाक ने आज शाम 4.45 बजे इस मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस ऐलान किया है। टीएमसी के साथ बैठक खत्म होने के बाद चुनाव आयोग ने सुबह 10:20 बजे सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट किया। उसने लिखा- चुनाव आयोग की टीएमसी को दो टूक। बंगाल में इस बार चुनाव भय रहित और हिंसा रहित होंगे। डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा कि जब उन्होंने अधिकारियों के ट्रांसफर और निष्पक्ष चुनाव पर सवाल उठाया, तो मुख्य चुनाव आयुक्त ने उन्हें वहां से जाने के लिए कह दिया। जो आज हुआ, वह शर्मनाक है। मैं चुनाव आयोग को चुनौती देता हूं कि बैठक का वीडियो या ऑडियो जारी करे। चुनाव आयोग के अधिकारियों के मुताबिक, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने डेरेक ओ ब्रायन से बैठक में शालीनता बनाए रखने को कहा था। लेकिन डेरेक आयोग के परिसर में चिल्लाने लगे और अनुचित व्यवहार करने लगे। प्रतिनिधिमंडल में डेरेक ओ ब्रायन के अलावा साकेत गोखले, मेनका गुरुस्वामी और सागरिका घोष शामिल थीं।

आगामी मानसून में 6फीसदी कम बारिश का अनुमान,स्काईमेट ने कहा- एमपी/राजस्थान/पंजाब और हरियाणा में सामान्य से कम बारिश हो सकती है

नयी दिल्ली। इस साल मानसून की बारिश सामान्य से कम रह सकती है। निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट वेदर ने इस साल के मानसून का पूर्वानुमान जारी किया है। इसके अनुसार, बारिश सामान्य से 6फीसदी कम रह सकती है। जून से सितंबर तक मानसून के 4 महीनों में देश में बारिश का सामान्य औसत 868.6 मिलीमीटर है। सामान्य से कम मानसून का मतलब है कि बारिश 90फीसदी से 95फीसदी के बीच रहेगी। एजेंसी ने 94फीसदी बारिश का अनुमान दिया है। जून में सामान्य बारिश होगी, लेकिन जुलाई से गिरावट शुरू होकर अगस्त और सितंबर में मानसून कमजोर पड़ेगा। खासकर अगस्त-सितंबर में बारिश की कमी ज्यादा रहने के संकेत हैं। मध्य और पश्चिम भारत के मुख्य क्षेत्रों में बारिश कम रहने के आसार हैं। अगस्त-सितंबर में मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में सामान्य से कम बारिश की आशंका है। जुलाई से बारिश में कमी होने का अनुमान-एलपीए के मुकाबले जून में 101फीसदी बारिश संभव। इस माह का एलपीए 165.3 एमएम है। सितंबर में एलपीए के मुकाबले 89फीसदी बारिश का पूर्वानुमान। एलपीए 167.9 एमएम है। एलपीए के मुकाबले 95फीसदी बारिश जुलाई में होगी। इस माह एलपीए 280.5 एमएम है। एलपीए के मुकाबले अगस्त में 92फीसदी बारिश संभव। इस माह का एलपीए 254.9 एमएम है। क्या होता है लॉन्ग पीरियड एवरेज यानी एलपीए इसका मतलब है कि मौसम विभाग ने 1971-2020 की अवधि के आधार पर दक्षिण-पश्चिम मानसून के लिए लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलपीए) को 87 सेमी (870 मिमी) निर्धारित किया है। अगर किसी साल की बारिश 87 सेमी से ज्यादा होती है, तो उसे सामान्य से अधिक माना जाता है। अगर कम हो तो कमजोर मानसून माना जाता है।स्काईमेट वेदर से जुड़े जतिन सिंह ने कहा कि मानसून की शुरुआत के समय अल-नीनो बनने की संभावना है। इससे मानसून कमजोर पड़ सकता है। हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी) मजबूत हो तो अल-नीनो का असर कुछ कम होता है। अभी आईओडी सामान्य या थोड़ा अधिक रहने की उम्मीद है। इससे मानसून की शुरुआत ठीक होगी, लेकिन सीजन के दूसरे हिस्से में बारिश कमजोर पड़ने का खतरा रहेगा।

कांग्रेस बंगाल में रु10 लाख तक मुफ्त इलाज देगी,घोषणापत्र में महिलाओं को हर माह रु2000 देने का वादा

कोलकाता। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। पार्टी ने खुद को राज्य में जनता के लिए तीसरे विकल्प के रूप में पेश करते किया। कांग्रेस के घोषणापत्र में महिलाओं को हर महीने रु2,000 की आर्थिक सहायता, पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर तक फ्री शिक्षा और राज्य में मुफ्त सरकारी परिवहन सुविधा देने की घोषणा की गई है। किसानों के लिए घोषणापत्र में छोटे और भूमिहीन किसानों को हर साल रु15 हजार की सहायता राशि और 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की बात भी कही गई है। हर परिवार को रु10 लाख तक का हेल्थ इंश्योरेंस कवर देने का वादा किया है। कांग्रेस ने बंगाल के युवाओं के लिए युवा सम्मान योजना और बंगाल एम्प्लॉयमेंट गारंटी मिशन शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत एक साल में राज्य में सभी खाली सरकारी पदों को भरा जाएगा। साथ ही स्टार्टअप्स को फंडिंग और स्किल डेवलपमेंट के साथ एआई एजुकेशन पर खास ध्यान दिया जाएगा। विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस का मैनिफेस्टो जारी करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि बंगाल में भ्रष्टाचार और बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्याएं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार बढ़ाया है और इसका असर बंगाल की छवि पर पड़ रहा है। युवाओं को नौकरी के लिए राज्य छोड़ना पड़ रहा है। कांग्रेस ने रोजगार गारंटी मिशन, प्रदूषण उन्मूलन, कौशल विकास और एआई शिक्षा पर जोर देने का वादा किया है। महिलाओं को अर्थव्यवस्था की ताकत बनाने की बात भी कही गई है।

आईआईटीअन बाबा ने मुलाकात के दूसरे दिन ही प्रपोज किया,तमिलनाडु के आश्रम से लव स्टोरी शुरू हुइ

झज्जर। प्रयागराज महाकुंभ-2025 से चर्चा में आए आईआईटीअन बाबा अभय सिंह ने खुद अपनी लव स्टोरी के बारे में बताया। उन्होंने कहा- प्रीतिका से मेरी मुलाकात 2025 में महाशिवरात्रि पर तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक आश्रम में हुई थी। प्रीतिका मोक्ष की तलाश में साधना करने आई थीं। वे भी आध्यात्मिक मार्ग पर थीं। यहीं से दोनों के बीच जुड़ाव हुआ। आईआईटीअन बाबा ने कहा- मुलाकात के दूसरे ही दिन मैंने प्रीतिका से शादी के लिए पूछ लिया। पहले तो प्रीतिका को लगा कि मैं मजाक कर रहा हूं। बाद में मैंने उनसे कहा कि मैं सीरियस हूं। एक साल तक हम दोनों दोस्त रहे। फिर शादी करने का फैसला किया। 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर उत्तराखंड में ऋषिकेश के पास मनसा देवी मंदिर में प्रीतिका की मांग में सिंदूर भरा। आईआईटीअन बाबा सोमवार को शादी के बाद पहली बार नई दुल्हन के साथ हरियाणा के झज्जर अपने घर पहुंचे। यहां उनकी मां शीला देवी ने बहू का गृह प्रवेश कराया। आईआईटीअन बाबा ने कहा-'मैंने पहले ही कहा था कि अगर मुझे मेरी 'पार्वती' मिली तो जरूर शादी करूंगा। अब प्रीतिका के रूप में उन्हें उनकी जीवनसंगिनी मिल गई है।' आईआईटीअन बाबा अभय सिंह और प्रीतिका हिमाचल के धर्मशाला में रह रहे हैं। परिवार से मुलाकात के बाद सोमवार रात को दोनों धर्मशाला रवाना हो गए। इन्होंने दिल्ली से धर्मशाला की फ्लाइट पकड़ी। कोर्ट मैरिज के सवाल पर आईआईटीअन बाबा ने कहा- ऑफिशियल तौर पर भी ये जरूरी थी। हम जहां भी जाते थे तो डॉक्यूमेंट की जरूरत पड़ती थी। दूसरा, हम जो ऑर्गनाइजेशन बना रहे हैं, उसमें भी बैंक अकाउंट के लिए डॉक्यूमेंट जरूरी थे, इसलिए शादी के डॉक्यूमेंट जरूरी थे। प्रीतिका ने एस्ट्रोनॉमी एंड स्पेस इंजीनियरिंग में मास्टर्स किया- प्रीतिका मूलरूप से कर्नाटक की हैं। मंगलौर के सेंट जोसेफ इंजीनियरिंग कॉलेज से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन में बीटेक किया, फिर एमआईटी मणिपाल से एस्ट्रोनॉमी एंड स्पेस इंजीनियरिंग में मास्टर्स किया। बेंगलुरु स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स (आईआईए) में रिसर्च इंटर्नशिप की। जहां ब्रह्मांड के रहस्य खोजते-खोजते खुद अध्यात्म की ओर मुड़ गईं। ससुराल में स्वागत पर प्रीतिका ने कहा- यहां पर मुझे बहुत प्यार मिला। कर्नाटक और हरियाणा की चीजें काफी अलग हैं। यहां आकर काफी कुछ सीखने को मिल रहा है। काफी लोगों के घर पर गए, वहां भी बहुत प्यार मिला। इससे पहले कभी इतना प्यार नहीं मिला।

प्रयागराज में UPSIA एवं विद्युत विभाग की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी में उद्योगों से जुड़ी समस्याओं और विद्युत आपूर्ति को बेहतर बनाने के उद्देश्य से यूपीएसआईए (UPSIA) एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में उद्योगपतियों, विभागीय अधिकारियों तथा संबंधित पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान उद्योगों को मिल रही बिजली आपूर्ति, लोड, बिलिंग संबंधी समस्याएं तथा भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उद्यमियों ने अपनी समस्याएं खुलकर रखीं, जिनमें मुख्य रूप से अनियमित विद्युत आपूर्ति, अधिक बिलिंग और तकनीकी बाधाओं का मुद्दा प्रमुख रहा। विद्युत विभाग की ओर से के. के. सरस्वत (Superintending Engineer), आशीष सिन्हा, (superintending Engineer), अधिशासी अभियंता रचित खन्ना, नैनी की एसडीओ मदन जी , मुनेश कुमार (जेई) उपस्थित रहे। वहीं UPSIA की ओर से अरविंद राय (अध्यक्ष), राजीव नैय्यर, डॉ. पुनीत अरोरा, नीरज श्रीवास्तव, मनीष शुक्ला, के. खान एवं सुशील दुबे मौजूद रहे। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए जल्द समाधान का आश्वासन दिया। साथ ही उद्योगों को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने और प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर UPSIA के पदाधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार की बैठकें उद्योगों के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, जिससे संवाद स्थापित होता है और समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो पाता है। बैठक के अंत में सभी ने समन्वय और सहयोग के साथ कार्य करने का संकल्प लिया, जिससे प्रयागराज में औद्योगिक विकास को नई गति मिल सके।

'पहले यूएई का लोन उतारो, फिर भारत से मुकाबले का सपना देखना'- न्यूक्लियर एनर्जी पर जल-भुन रहे पाकिस्तान को सुनाई खरी-खोटी

नयी दिल्ली। भारत ने सुरक्षित और स्वदेशी परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ी कामयाबी हासिल की है। भारत ने एडवांस परमाणु रिएक्टर 'प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' के दूसरे चरण की क्रिटिकैलिटी को सफलतापूर्वक छू लिया है। इसका मतलह यह है कि यह जितना ईंधन खपत करेगा, उससे ज्यादा यह पैदा करेगा और बिजली भी बनाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारतीय वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि को लेकर बधाई देते कहा है कि यह भारत के लिए निर्णायक मोड़ है। मगर, भारत की इस कामयाबी से पूरे पाकिस्तान के पेट में दर्द उठ गया है। सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी यूजर्स और एक्सपर्ट्स चिढ़े हुए हैं। वह खिसियाकर बयान दे रहे हैं। ईंधन खत्म नहीं होगा, उल्टे और बढ़ेगा- तमिलनाडु के कलपक्कम स्थित पीएफबीआर रिएक्टर ने पहली बार क्रिटिकैलिटी के स्टेज को हासिल कर लिया है। इस क्रिटिकैलिटी का मतलब यह है कि यह रिएक्टर जितना प्लोटोनियम-233 ईंधन खर्च करेगा, उससे ज्यादा यह नया ईंधन प्लोटोनियम-239 पैदा करेगा। इसी से बिजली भी बनेगी। यानी भारत के पास भविष्य के लिए एक बड़ा एनर्जी भंडार तैयार हो सकेगा। 500 एमडब्लू क्षमता वाला यह सोडियम कूल्ड रिएक्टर भारत के 'नेट जीरो 2070'` लक्ष्य को पूरा करने में मददगार साबित होगा। भारत के ये रिएक्टर पूरी तरह स्वदेशी हैं, जिसे भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड ने डिजाइन किया और बनाया है। एक पाकिस्तानी यूजर ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा-पाकिस्तान को इसी तरह का स्वदेशी प्रोग्राम बिना किसी देरी के चलाना चाहिए। वजह यह है कि प्रतिरोध संतुलन बनाए रखा जा सके और दीर्घकालिक रणनीतिक समानता तय की जा सके। एक और पाकिस्तानी यूजर ने लिखा-एक यूजर ने कहा-चिंता की कोई बात नहीं। हमारे अज्ञात बंदूकधारी आपके लैब को स्टार्ट होने से पहले ही उड़ा देंगे।फौजिया नाम की एक यूजर ने कहा है कि भारत को न्यूक्लियर प्रोग्राम बढ़ाने की मंजूरी क्यों दी गई, जबकि ईरान या दूसरों को ऐसा नहीं करने दिया जा रहा है। यह वैश्विक पाखंड और कट्टरता है। भारत एक जिम्मेदार देश नहीं है।एक भारतीय यूजर ने पाकिस्तानियों पर बरसते हुए कहा-तुम्हारी औकात नहीं है भिखारियों। पहले यूएई का लोन तो उतार लो। महज 16 बिलियन डॉलर के फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व के साथ न्यूक्लियर एनर्जी में भारत से मुकाबले का सपना देख रहे हो।

गुमशुदा व्यक्ति

नाम- प्रमोद कुमार चौरसिया (उर्फ सन्तु)

उम्र-लगभग 48 वर्ष, कद- लगभग 5 फुट 9 इंच, रंग- सांवला। शरीर-पतला। पहचान- सिर पर गंजापन, पतली मूंछ।

आखिरी बार देखा गया- दिनांकः 14/03/2026, समय- लगभग 12:40 बजे दोपहर, स्थान- E-A276, A.D.A. Colony, नैनी, प्रयागराज, (Mother Teresa चौराहा के पास)

जाते समय पहने कपड़े- हल्की काले चेक वाली पैंट, सफेद-नीले गुलाबी लाइनिंग वाली शर्ट, चप्पल। सूचना देने पर संपर्क करें..

सुमित कुमार चौरसिया
मोबाइलः +919936198707
सूचना देने वाले व्यक्ति को 10,000/- रुपये इनाम दिया जायेगा।

मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत बच्चियों को किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत मंगलवार को ए. शर्म्पिते स्कूल कपूरथला थाना अलीगंज जनपद लखनऊ में बच्चियों को मिशन शक्ति अभियान के सम्बन्ध में जागरूक किया गया। इस दौरान महिलाओं व बच्चों से सम्बंधित पुलिस हेल्पलाइन नंबर जैसे 112, 1090, 181, 1076 एवं अन्य महत्वपूर्ण नंबरो के साथ ही महिला सशक्तिकरण, महिला सुरक्षा केंद्र, महिला हेल्प डेस्क, पिंक बूथ, पिंक स्कूटी, साइबर क्राइम, यूपी कॉप एप, आदि के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। साइबर क्राइम से बचाव के सम्बन्ध में जागरूक करते हुए उपनिरीक्षक शिवानी मिश्रा ने बताया कि आज कल साइबर अपराध के तरह-तरह के प्रलोभन, निमंत्रण कार्ड पीडीएफ फाइल, बैंक केवाइसी जैसे मैसेज से सावधानी पूर्वक खोले अथवा ना ही छुए, उसको सीधे डिलीट कर दें या घर के बड़े सदस्यों को दिखा कर समझें, जिससे आप साइबर अपराध के झांसे से बच सकते हैं। इस मौके पर थाना अलीगंज जनपद लखनऊ उपनिरीक्षक रवींद्रनाथ प्रजापति, उपनिरीक्षक शिवानी मिश्रा, उपनिरीक्षक प्रगति सिंह थाना अलीगंज जनपद लखनऊ मौजूद रहे।

गैंगस्टर एक्ट के तहत थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा बड़ी कार्रवाई, अवैध मादक पदार्थ तस्करी से अर्जित संपत्ति कुर्क

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद सोनभद्र में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी श्री हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण में तथा थानाध्यक्ष शक्तिनगर श्री कमल नयन दूबे की रिपोर्ट के आधार पर गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत प्रभावी कार्यवाही की गई है। अभियुक्त सुनील भारती पुत्र शिवमंगल, निवासी निमियाटाड़ बस्ती थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 32 वर्ष द्वारा स्वयं एवं अपने सहयोगियों के माध्यम से अवैध हेरोइन का व्यापार करते हुए तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहकर अवैध रूप से संपत्ति अर्जित की गई। जिसके विरुद्ध थाना शक्तिनगर पर मुक़दमा पंजीकृत किया गया था। विवेचना के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्त द्वारा बिना किसी वैध आय के स्रोत के आपराधिक कृत्यों से अर्जित धन से अपने एवं अपनी पत्नी के नाम से चार पहिया वाहन (स्विफ्ट डिजायर) संख्या UP64BA-9536 (मूल्यांकन लगभग रु6,90,000/-) तथा स्कूटी संख्या UP64BE-0459 (मूल्यांकन लगभग रु90,000/-) क्रय की गई है। उक्त तथ्यों के आधार पर जिला मजिस्ट्रेट सोनभद्र महोदय द्वारा उ0प्र0 गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1986 की धारा 14(1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त दोनों वाहनों को कुर्क/जब्त किया गया है।अभियुक्त का विवरण- सुनील भारती पुत्र शिवमंगल, निवासी निमियाटाड़ बस्ती, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 32 वर्ष। अभियुक्त की जब्त की गयी सम्पत्ति का विवरण- (1) चार पहिया वाहन (स्विफ्ट डिजायर) संख्या UP64BA-9536 (मूल्यांकन रु6,90,000/-) (2) मो0सा0 स्कूटी संख्या UP64BE-0459 (मूल्यांकन रु90,000/-)

आवासित किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार, शिक्षा एवं करियर के प्रति जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) रायबरेली में आवासित किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार, शिक्षा एवं करियर के प्रति जागरूकता, जीवन कौशल को बढ़ाये जाने के साथ ही सकारात्मक व्यवहार के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन राजकीय सम्प्रेक्षण गृह, रायबरेली में सोमवार को किया गया। कार्यक्रम में डॉ0 आलोक प्रताप सिंह एवं डॉ0 शुभम खरवार सहा0 प्राध्यापक, फिरोज गांधी महाविद्यालय रायबरेली द्वारा आवासित किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य, जीवन कौशल, विकास एवं परामर्श के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की गयी। कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा, प्रभारी अधीक्षक राजकीय संप्रेक्षण गृह रन बहादुर वर्मा, संरक्षण अधिकारी वीरेंद्र पाल, मनुपेन्द्र श्रीवास्तव, परामर्शदाता सौरभ चौधरी, अमित विक्रम, पैरामेडिकल स्टाफ मधुबाला, एजूकेटर प्रिया सिंह सहित समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला कारागार में बन्दियों के विधिक अधिकार विषय पर आयोजित हुआ जागरुकता शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में अमोद कंठ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा जिला कारागार, रायबरेली का निरीक्षण किया गया। इस दौरान सचिव द्वारा जिला कारागार में स्थित पाकशाला के अतिरिक्त चिकित्सालय का निरीक्षण करते हुए बन्दियों से मिलकर उनका हालचाल जाना गया। दौरान निरीक्षण सचिव द्वारा बन्दियों से उनके मुकदमें में पैरवी के सम्बन्ध में अधिवक्ता की उपलब्धता के बाबत जानकारी ली गयी। निरीक्षण के पश्चात बन्दियों को विधिक रुप से जागरुक करने हेतु विधिक जागरुकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित बन्दियों को उनके विधिक अधिकार बताये गये तथा यह भी बताया गया कि जिन बन्दियों को निःशुल्क अधिवक्ता की आवश्यकता हो वह जेल में स्थित लीगल ऐड क्लीनिक के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते है। इस मौके पर जेल अधीक्षक प्रभात सिंह, जेलर हिमाशुँ रौतेला, चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिंल राजकुमार सिंह, जेल चिकित्साधिकारी डा0 सुनील अग्रवाल व असिस्टेन्ट लीगल एड डिफेन्स काउन्सिंल योगेश चन्द्र, उपकारापाल सुमैया परवीन व जनमेजय सिंह उपस्थित रहे।

प्रियदर्शनी गैस एजेंसी नैनी में एलपीजी गैस की मारामारी, विभागीय अधिकारी बेखबर

7घंटे लगातार लाइन में खड़े होने के बावजूद भी सिलेंडर मिलना मुश्किल,गैस एजेंसी के कर्मचारियों पर सिलेंडर की कालाबाजारी करने का आरोप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नैनी/प्रयागराज। इन दिनों नैनी क्षेत्र में एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रियदर्शनी गैस एजेंसी में एलपीजी गैस सिलेंडर की मारामारी मची हुई है। तकरीबन 7 घंटे लगातार लाइन में खड़े होने के बावजूद लोडिंग ना आने से उपभोक्ताओं को मायूस होकर खाली सिलेंडर लेकर घर वापस लौटना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं ने एजेंसी कर्मचारियों पर निर्धारित दर से अधिक पैसे लेकर गैस सिलेंडर कालाबाजारी करने का आरोप लगाया है। जैसा कि मालूम हो, नैनी क्षेत्र के इंडस्ट्रियल कॉलोनी स्थित प्रियदर्शनी गैस सर्विस जो, कि भारत गैस एजेंसी के रूप में कार्यरत है, यहां पर प्रतिदिन सुबह तकरीबन 5:00 से ही लाइन लगना शुरू हो जाता है। लाइन में लगने के बाद कुछ लोगों को सिलेंडर मिलना मुश्किल हो जाता है। इसी क्रम में 6 अप्रैल यानी मंगलवार की सुबह तकरीबन 5:00 बजे से लोग लाइन में खड़े हो गए। दोपहर 12:00 बजे तक सिलेंडर की लोडिंग नहीं आई। लोडिंग ना आने पर वहां पर अफरा- तफरी का माहौल बन गया। लोग हल्ला मचाना शुरू कर दिए। इधर एजेंसी के कर्मचारी हल्ला होने पर कार्यालय बंद कर भाग खड़े हुए। उपभोक्ताओं का कहना है, कि एजेंसी कर्मचारियों के द्वारा मनमानी तौर पर काम किया जाता है। इनके द्वारा केवाईसी करने के नाम पर उपभोक्ताओं से पैसा मांगा जाता है। पैसा ना देने पर बेइज्जत करके उनको भगा दिया जाता है। इतना ही नहीं इनके द्वारा निर्धारित दर से अधिक पैसा लेकर गैस सिलेंडर की धड़ल्ले से कालाबाजारी की जाती है। गैस एजेंसी के कर्मचारियों की मनमानी के आगे सभी बेबस, लाचार एवं मजबूर हैं। इस बाबत क्षेत्रीय उपभोक्ताओं ने विभागीय उच्च अधिकारियों का ध्यान इस तरफ आकर्षित कराते हुए उक्त गैस एजेंसी की कार्य प्रणाली की जांच कराकर इनके विरुद्ध कर कार्यवाही करने की मांग की है।

सेक्टर-73 स्थित महादेव आरडब्ल्यूए का चुनाव कार्यक्रम घोषित,निवासियों का मतदाता सूची में नाम शामिल किए बिना चुनाव करने पर विरोध

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-73 स्थित महादेव रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के निर्वाचन की तिथि आनन फानन में घोषित कर दी गई है। जिसका निवासियों में भारी विरोध है। जिला पूर्ति अधिकारी, गौतमबुद्धनगर स्मृति गौतम को निर्वाचन अधिकारी नामित किए जाने के बाद विस्तृत चुनाव कार्यक्रम जारी किया गया। जारी कार्यक्रम के अनुसार 8 अप्रैल 2026 को सुबह 10 बजे से सायं 5 बजे तक अनंतिम मतदाता सूची का प्रदर्शन किया जाएगा तथा आपत्तियां व नई सदस्यता आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। 9 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक आपत्तियों का निस्तारण होगा और उसी दिन नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की जांच 9 अप्रैल को सायं 4 बजे से की जाएगी। 10 अप्रैल को वैध प्रत्याशियों की सूची प्रदर्शित होगी तथा नाम वापसी की प्रक्रिया भी संपन्न कराई जाएगी। अंतिम उम्मीदवारों की सूची 13 अप्रैल को जारी की जाएगी। यदि आवश्यक हुआ तो मतदान 18 अप्रैल को सायं 5 बजे तक कराया जाएगा। मतगणना 18 अप्रैल को होगी और परिणाम घोषित किए जाएंगे। इसको लेकर निवासियों में विरोध शुरू हो गया है। निवासियों का कहना है कि बिना मतदाता पुनरीक्षण के चुनाव करना कानून का उल्लंघन है। चुनाव अधिकारी को इस पर विचार करना चाहिए नहीं तो सोसायटी के लोग विरोध प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। इसको लेकर ने वर्तमान अध्यक्ष सतवीर यादव डिप्टी रजिस्ट्रार के यहां अपील करने का मन बना रहे हैं।

दबिश के दौरान 55 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद, 03 अभियोग पंजीकृत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के आदेशानुसार अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र- 01 की टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। टीम द्वारा तहसील सदर के थाना गुरुबख्शगंज अंतर्गत ग्राम सोमवंसी का पूर्वा एवं बरऊआ में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों/संदिग्ध घरों पर दबिश की कार्यवाही की गई। दबिश के दौरान 55 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा लगभग 150 किलोग्राम लहन बरामद कर मौके पर नष्ट करते हुए 03 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये गए ।जिले में अवैध शराब के निर्माण एव बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

समाज सेवा करना,ईश्वर की सेवा करने के समान होती है

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अग्रवाल सुहृद समाज,रायबरेली द्वारा समय-समय पर विभिन्न समाज सेवा के कार्य किये जाते हैं,इसी कड़ी में समाज द्वारा आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए एक शीतल जल मशीन का लोकार्पण देवानन्द पुर स्थित के बी सिन्हा राजकीय इंटर कालेज परिसर में किया गया।इस कार्यक्रम को सम्पन्न करने में पूर्व संरक्षक महेंद्र अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष ई सूरज अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष गौरव जैन,हरीश मुरारका, अभिषेक गोयल,भवेश अग्रवाल,पल्लव अग्रवाल,ऋषभ बिंदल,पुनीत बंसल, उज्ज्वल गोयल आदि का विशेष सहयोग रहा, इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ बरखा भारती जी ने अग्रवाल समाज का धन्यवाद दिया उन्होंने कहा कि अग्रवाल समाज द्वारा इस प्याऊ के लगवाने से विद्यालय के समस्त बच्चों को भीषण गर्मी में शीतल जल की उपलब्धता हो सकेगी। समाज के सचिव पवन अग्रवाल ने कहा कि समाज हमेशा ऐसे समाजिक कार्य करता रहता है जिससे आम जन को लाभ मिल सके। विद्यालय द्वारा समाज के सचिव को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इतिहास से प्रेरणा लेकर आगे बढे समाज- डॉ प्रमोद शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। महापद्म नंद जन्मोत्सव आयोजन समिति मीरजापुर द्वारा आयोजित महापद्म नंद महराज जी का जन्मदिन बड़े धूम धाम से संपन्न । इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों में अंकित प्रथम चक्रवर्ती सम्राट महापद्म नंद महाराज जी की जयंती मिर्जापुर नगरी में अद्वितीय गरिमा, भव्यता एवं उल्लास के साथ मनाई गई। महापद्म नंद जन्मोत्सव आयोजन समिति, मिर्जापुर के तत्वावधान में आयोजित यह समारोह स्थानीय वातानुकूलित सभागार में संपन्न हुआ, जहाँ समाज के गणमान्य व्यक्तियों, बुद्धिजीवियों एवं श्रद्धालुओं की प्रभावशाली उपस्थिति ने आयोजन को एक ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. प्रमोद शर्मा (राष्ट्रीय अध्यक्ष, जननायक कर्पूरी ठाकुर विचार मंच एवं सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, सीपीएमपी डिग्री कॉलेज प्रयागराज) ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में सम्राट महापद्म नंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का भावपूर्ण चित्रण किया। उन्होंने कहा कि महापद्म नंद केवल एक विजेता सम्राट ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, संगठन शक्ति और जनकल्याण के प्रतीक थे। उनके आदर्श आज भी समाज को एकजुटता, आत्मगौरव और प्रगतिशील सोच की प्रेरणा देते हैं। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध साहित्यकार रमेश कुमार शर्मा, राष्ट्रीय संरक्षक एमसीईए रघुनाथ शर्मा, मोहन लाल आर्य, शिव मोहन शर्मा, विजय बहादुर शर्मा, केदार नाथ सविता, सुप्रसिद्ध गायक संजय शर्मा, मोनू शर्मा सहित अनेक सम्मानित अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सामाजिक

चेतना एवं सांस्कृतिक जागरण का सशक्त माध्यम बताया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर समाज की प्रतिभाशाली बेटियों को सम्मानित कर आयोजन को विशेष ऊँचाई प्रदान की गई। अभिलाषा शर्मा को पीसीएस परीक्षा में सफलता अर्जित कर खंड विकास अधिकारी पद पर चयनित होने के लिए सम्मानित किया गया, वहीं संजीवनी शर्मा को वर्ल्ड एजुकेशनल स्पर्धा में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर अभिनंदित किया गया। यह सम्मान समारोह न केवल उपलब्धियों का उत्सव था, बल्कि नारी सशक्तिकरण की सशक्त अभिव्यक्ति भी बना। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने आयोजन में जीवंतता और सौंदर्य का संचार किया।राष्ट्रीय स्तर के ख्यातिलब्ध कलाकार मनीष शर्मा ने अपने भावपूर्ण कथक नृत्य से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, वहीं रोली शर्मा द्वारा प्रस्तुत सोहर संस्कार गीत ने पारंपरिक लोकभावना को सजीव कर दिया। कजली के चौलर विधा के प्रख्यात कलाकार जटाशंकर शर्मा की प्रस्तुति ने भी उपस्थित जनसमूह की भरपूर सराहना अर्जित की और सांस्कृतिक विरासत की समृद्धता को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम के संयोजक घनश्याम शर्मा, सचिव शिवराम शर्मा एवं कोषाध्यक्ष कृष्ण मुरारी शर्मा ने सभी आगंतुक अतिथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।आयोजन को सफल बनाने में समिति के सदस्य डॉ. सतीश शर्मा, अवधेश शर्मा, शुभम शर्मा, पुनीत शर्मा सहित समस्त सदस्यों का समर्पण एवं सहयोग उल्लेखनीय रहा। समारोह का समापन हर्ष, उत्साह एवं सम्राट महापद्म नंद के आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने के दृढ़ संकल्प के साथ हुआ। यह आयोजन न केवल अतीत की गौरवगाथा का स्मरण था, बल्कि वर्तमान को दिशा देने और भविष्य को संवारने का एक प्रेरणादायी प्रयास भी सिद्ध हुआ।

नोएडा के गार्डेनिया ग्लोरी में उमड़ा जनसैलाब, ब्रह्माकुमारीज़ ने दिया 'शांति-मेरा मूल स्वभाव' का संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी

ईश्वरीय विश्व विद्यालय, सेक्टर-46 सेवा केंद्र द्वारा आज गार्डेनिया ग्लोरी सोसाइटी के क्लब हॉल में एक भव्य आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'शांति-मेरा मूल स्वभाव' (Peace - My Nature) विषय पर आधारित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में स्थानीय निवासियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने भाग लिया। वैश्विक अशांति के बीच शांति की खोज - कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए उद्घोषक ने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'आज दुनिया ईरान युद्ध की विभीषिका और तेल की घटती आपूर्ति और बढ़ती कीमतों के आर्थिक तनाव से जूझ रही है। स्वार्थ और नफरत के इस दौर में, जिसमें हर व्यक्ति अनजाने डर और तनाव में जी रहा है, शांति ही एकमात्र समाधान है। ऐसे समय में ब्रह्माकुमारीज़ का यह संदेश कि 'शांति हमारा मूल स्वभाव है', अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है।।' कबीर दास जी के दोहे का संदर्भ देते हुए उन्होंने समझाया:'कस्तूरी कुंडल बसै, मृग ढूँढै बन माहि। ऐसे घट-घट राम हैं, दुनिया देखै नाहिं।' अर्थात् जिस प्रकार मृग कस्तूरी को बाहर ढूंढता है जबकि वह उसकी नाभि में ही होती है, वैसे ही शांति हमारे भीतर है, बस उसे पहचानने की आवश्यकता है। राजयोग और मानसिक सशक्तिकरण - कार्यक्रम के अगले चरण में बीके राजयोगिनी लीना दीदी ने उपस्थित जनसमूह को 'राजयोग' के अभ्यास द्वारा गहन शांति का अनुभव कराया। इस गाइडेड मेडिटेशन सत्र के दौरान पूरा हॉल पिन-ड्रॉप साइलेंस में डूब गया और प्रतिभागियों ने स्वयं को मानसिक रूप से तरोताजा और ऊर्जामय महसूस किया।व्यावहारिक कार्यशाला और मार्गदर्शन - मानेसर से पधारीं मुख्य वक्ता बीके येशु बहन ने एक संवादात्मक कार्यशाला (Workshop) का संचालन किया। उन्होंने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को आंतरिक खुशी का अनुभव कराया। उन्होंने कहा, 'जब मन शांत होता है, तो हर समस्या का समाधान स्वतः मिल जाता है।'विशिष्ट अतिथियों का उद्बोधन- मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. अनिता मिश्रा ने संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि व्यक्तिगत परिवर्तन से ही विश्व परिवर्तन संभव है। भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की निदेशक नीतू जैन और रिटायर्ड एयर कमोडोर हरजिंदर सिंह ने भी अपने विचार साझा करते हुए आध्यात्मिक मूल्यों को प्रशासन और जीवन में उतारने की आवश्यकता पर बल दिया, ए के लाल (वरिष्ट पत्रकार) को सम्मानित किया कार्यक्रम का समापन सात्विक भोजन के साथ हुआ। सभी प्रतिभागी एक नए संकल्प के साथ विदा हुए: 'चलो फिर से मुस्कुराना सीखें, अपने दिल को घर बनाना सीखें।शांति की राह पर चलकर, जीवन को सजाना सीखें।'

बी डी बी आर ए सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संस्थान मौजपुर खुर्जा में हुआ बौद्ध धम्म का महाधिवेशन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मौजपुर/खुर्जा/बुलंदशहर। बी डी

बी आर ए सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संस्थान मौजपुर - खुर्जा बुलंदशहर के कृषि इंटर कॉलेज में बौद्ध धम्म महाधिवेशन विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भंते चंदिमा जी महाथेरो विहाराध्यक्ष धम्मा लर्निंग सेंटर सारनाथ, अध्यक्षता मानसिंह गौतम एडवोकेट प्रांतीय अध्यक्ष भारतीय बौद्ध महासभा उ0 प्र0 (पंजीकृत) और संचालन महासभा के प्रांतीय महामंत्री द्वय डॉ अरविन्द कुमार गौतम व साहब सिंह बौद्ध ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में म्यांमार के बौद्ध भिक्षु भदंत नंदा जी, इंग्लैंड के भंते फोंगसांग,व थाईलैंड के भंते पोंगपत कामजा, के अलावा अन्य प्रमुख बौद्ध धर्म गुरुओं में भंते प्रज्ञा रश्मि महाथेरो, अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध विहार नरौरा भंते राहुल बोधि, भंते चंद्र कीर्ति,एच ओ डी सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ, भंते दीपरतन कानपुर, भंते श्रद्धा नंद, भंते सोमानंद संघप्रिय गौतम, इं नाहर सिंह,प्रांतीय संयुक्त मंत्री महेंद्र सिंह दिनकर, जगरोशनी बौद्ध, राधेलाल बौद्ध, अरुणेंदु कुमार गौतम, अतरसिंह सुशील कुमार, सत्य प्रकाश भास्कर अध्यक्ष प्रताप गढ़, के पी सविता बौद्ध पूर्व प्रधानाध्यापक एवं रचयिता बुद्ध चरित मानस प्रबंध काव्य और महामंत्री भारतीय बौद्ध महासभा उ0 प्र0 शाखा जनपद अमेठी रामखेलावन वर्मा, उन्नाव, आदि सैकड़ों की संख्या में बौद्ध धर्म के अनुयायी पुरुष महिलाओं की उपस्थिति रही। देशराज बौद्ध सामाजिक व सांस्कृतिक मंच के तमाम कलाकारों की प्रस्तुतियां बहुत ही सराहनीय रहीं।

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल-मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (Mukhyamantri YUVA) का शुभारंभ किया गया है। इस योजना का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देना तथा युवाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। योजना के तहत राज्य में आगामी 10 वर्षों में लगभग 10 लाख सूक्ष्म इकाइयों की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही पहले चरण में 50 हजार नई इकाइयों की स्थापना की योजना बनाई गई है, जिससे बड़े स्तर पर रोजगार सृजन होगा। पात्रता की मुख्य शर्तें- आवेदक उत्तर प्रदेश का निवासी होना चाहिए, आयु सीमा 21 से 40 वर्ष निर्धारित, न्यूनतम शैक्षिक योग्यता कक्षा 8 उत्तीर्ण, किसी सरकारी प्रशिक्षण योजना या मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त उम्मीदवारों को प्राथमिकता-वित्तीय प्रावधान-अधिकतम रु5 लाख तक की परियोजनाओं पर ऋण उपलब्ध रु5 लाख तक की परियोजनाओं पर 10फीसदी मार्जिन मनी सब्सिडी, 4 वर्षों तक ब्याज सब्सिडी की सुविधा, परियोजना सफल संचालन हेतु बैंक/वित्तीय संस्थाओं से सहयोग, इसके अलावा, सामान्य वर्ग के आवेदकों को 15फीसदी तथा अन्य पिछड़ा वर्ग को 12.5फीसदी और अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 10फीसदी अंशदान अनिवार्य किया गया है। जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र, प्रयागराज द्वारा जारी इस प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह योजना युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और राज्य की औद्योगिक प्रगति को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

डॉक्टर से 12 करोड़ साइबर ठगी, ठगों ने खुद को निवेश विशेषज्ञ बताया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) पुणे। शेयर बाजार में निवेश के नाम पर डॉक्टर से 12 करोड़ 31 लाख रुपये की बड़ी साइबर ठगी कर ली गई। जनवरी महीने में डॉक्टर के मोबाइल पर एक संदेश आया, जिसमें शेयर बाजार में निवेश कर भारी मुनाफा कमाने का दावा किया गया था। ठगों ने खुद को निवेश विशेषज्ञ बताया और धीरे-धीरे डॉक्टर से संपर्क बढ़ाकर उन्हें अलग-अलग निवेश योजनाओं के बारे में समझाना शुरू किया। शुरुआत में भरोसा जीतने के लिए ठगों ने एक फर्जी प्लेटफॉर्म पर मुनाफा दिखाया। डॉक्टर को लगने लगा कि उनका पैसा तेजी से बढ़ रहा है। इसी विश्वास में आकर उन्होंने पिछले तीन महीनों के दौरान अलग-अलग समय पर कुल 12.31 करोड़ रुपये विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए। जब डॉक्टर ने अपनी रकम

निकालने की कोशिश की, तो ठगों ने संपर्क पूरी तरह बंद कर दिया। कोई पैसा वापस नहीं मिला। तब जाकर उन्हें एहसास हुआ कि वे एक बड़े साइबर फ्रॉड का शिकार हो चुके हैं। इसके बाद उन्होंने तुरंत साइबर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। साइबर एक्सपर्ट जय प्रकाश सिंह का विश्लेषण और बचाव-साइबर एक्सपर्ट जय प्रकाश सिंह के अनुसार आजकल सबसे ज्यादा ठगी 'जल्दी पैसा कमाने' और 'गैरंटी मुनाफे' के नाम पर हो रही है। साइबर अपराधी पहले सोशल मीडिया पर अपनी फर्जी पहचान बनाते हैं, लग्जरी लाइफ दिखाते हैं और लोगों का भरोसा जीतते हैं। इसके बाद वे नकली स्क्रीनशॉट, फर्जी अकाउंट स्टेटमेंट, फोटो और वीडियो दिखाकर यह विश्वास दिलाते हैं कि वे सच में बड़ा पैसा कमा रहे हैं। कई बार फर्जी ऐप या वेबसाइट बनाई जाती है, जिसमें आपका पैसा बढ़ता हुआ दिखाई देता है, लेकिन असल में वह सिर्फ दिखावा होता है। शुरुआत में थोड़ा पैसा वापस करके भरोसा मजबूत किया जाता है। लेकिन जैसे ही आप बड़ी रकम निवेश करते हैं, 'रिस्क मार्जिन', 'टैक्स', 'चार्ज' जैसे बहाने बनाकर बार-बार पैसे मांगे जाते हैं और अंत में संपर्क खत्म कर दिया जाता है। बचाव के लिए जरूरी है कि किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर निवेश न करें। अगर कोई 'गैरंटी रिटर्न' या बहुत ज्यादा मुनाफा देने की बात कर रहा है, तो समझ लें कि यह ठगी है। हमेशा केवल भरोसेमंद और आधिकारिक प्लेटफॉर्म पर ही निवेश करें और निवेश से पहले पूरी जांच जरूर करें। कोई भी सवाल हो तो आप साइबर एक्सपर्ट जब प्रकाश सिंह के मोबाइल नंबर 7007436833 पर संपर्क कर जानकारी ले सकते हैं,आपका एक सवाल आपके लाखों करोड़ों रुपए बचा सकता है लेकिन अगर ठगी हो जाए तो क्या करें-तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें व cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें। नजदीकी थाने में लिखित शिकायत दें।सावधान रहें – क्योंकि साइबर ठग सिर्फ आम लोगों को नहीं, बल्कि समझदार और प्रोफेशनल लोगों को भी अपना शिकार बना रहे हैं। इस जानकारी को जरूर शेयर करें ताकि कोई और इस जाल में न फंसे।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सहित पूरे देश के उपभोक्ताओं की बड़ी जीत अंततः उपभोक्ता परिषद की लड़ाई रंग लाई केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने अपनी गलती मानी और अपने आदेश में किया संशोधन 1 अप्रैल 2026 को अधिसूचना जारी अब उपभोक्ताओं के घर पर लगेगा स्मार्ट मीटर प्रीपेड की अनिवार्यता किया समाप्त।

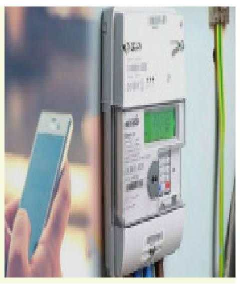

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICI

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-

Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

मैहर दौरे पर आएंगे मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, माँ शारदा के करेंगे दर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। भोपाल। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य विभाग के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का 7 से 9 अप्रैल 2026 तक मैहर एवं सतना-जबलपुर क्षेत्र का दौरा प्रस्तावित है। जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री विजयवर्गीय 7 अप्रैल की रात्रि 21:55 बजे रानी कमलापति रेलवे स्टेशन भोपाल से रेवांचल एक्सप्रेस (12185) द्वारा प्रस्थान करेंगे और 8 अप्रैल को सुबह 05:38 बजे मैहर रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। यहां वे माँ शारदा देवी के दर्शन करेंगे और स्थानीय कार्यक्रमों में

भाग लेंगे। इसके बाद सुबह 09:30 बजे सड़क मार्ग से मैहर से सतना के लिए रवाना होंगे, जहां 10:30 बजे आगमन के पश्चात विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। दोपहर 4:00 बजे सतना से प्रस्थान कर कटनी और सिहोरा होते हुए रात्रि 8:00 बजे जबलपुर पहुंचेंगे और वहां भी कार्यक्रमों में भाग लेंगे। रात्रि 11:30 बजे जबलपुर रेलवे स्टेशन से ट्रेन (22192) द्वारा इंदौर के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां 9 अप्रैल को सुबह 09:30 बजे पहुंचेंगे। आगे का कार्यक्रम पृथक से जारी किया जाएगा।

ऑपरेशन प्रहार 2.0 के तहत ताला पुलिस की कार्रवाई, 10 शीशी नशीली कफ सिरप सहित आरोपी गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। रीवा जोन में चलाए जा

रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन प्रहार 2.0' के तहत थाना ताला पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अवैध नशीली कफ सिरप के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन श्री गौरव राजपूत के निर्देशन में तथा पुलिस अधीक्षक मैहर श्री अवधेश प्रताप सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. चंचल नागर के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी अमरपाटन ख्याति मिश्रा व थाना प्रभारी ताला निरीक्षक महेन्द्र कुमार मिश्रा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। घटना का विवरण- दिनांक 06 अप्रैल 2026 को पुलिस चौकी मुकुन्दपुर प्रभारी उप निरीक्षक नागेश्वर प्रसाद मिश्रा अपनी टीम के साथ गोविन्दगढ़-बेला मार्ग पर यातायात व्यवस्था संभाल रहे थे। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति सफेद बोरी लेकर जाता दिखा, जो पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 10 शीशी कोडीन फास्फेट युक्त अवैध नशीली ऑनरेक्स कफ सिरप बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम विवेक उर्फ बलदाउ गुप्ता (27 वर्ष), निवासी ग्राम मुकुन्दपुर थाना ताला जिला मैहर बताया। पंजीबद्ध अपराध-आरोपी के विरुद्ध धारा 8, 21, 22 एनडीपीएस एक्ट एवं 6/13 म.प्र. ड्रग कंट्रोल अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। साथ ही उसके अन्य साथियों की तलाश जारी है। जप्त सामग्री- 10 शीशी नशीली कफ सिरप (कीमत लगभग 1800 रुपये) वीवो कंपनी का मोबाइल (कीमत लगभग 15,000 रुपये) इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक महेन्द्र मिश्रा, उप निरीक्षक नागेश्वर प्रसाद मिश्रा, प्रधान आरक्षक राजभान सिंह, प्रधान आरक्षक इच्छालाल तिवारी, आरक्षक आशीष मिश्रा, आरक्षक विवेक मिश्रा एवं सैनिक सुंदरलाल शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान के अन्तर्गत संस्कृत एवं प्राचीन भाषाओं के साथ अन्य ऐसे विद्वान महानुभाव जिनके पास पाण्डुलिपियों का निजी संग्रह हो कराये उपलब्ध

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री

बी0एन0 सिंह ने मंगलवार को अवगत कराया है कि ज्ञान भारतम् मिशन के अन्तर्गत राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान के अन्तर्गत जनपद सोनभद्र के गौरवशाली विरासत व इतिहास से सम्बान्धित पाण्डुलिपि का संग्रह किया जाना है। जिसके लिए जनपद सोनभद्र में सर्वेक्षण अभियान चलाया जा रहा है, इस कार्य हेतु जनपद में स्थित निजी संस्थान, संस्कृत पाठशालाएं, मन्दिर, मठ, आश्रम, गुरूकुल, ट्रस्ट आदि के साथ ऐसे निजी संग्रहकर्ता जिसमें पुरोहित धर्माचार्य, ज्योतिषाचार्य, आर्युवेदाचार्य संस्कृत एवं प्राचीन भाषाओं के साथ अन्य ऐसे विद्वान महानुभाव जिनके पास पाण्डुलिपियों का निजी संग्रह हो से अपेक्षा की जाती है कि 15 अप्रैल, 2026 के सायं 05:00 बजे तक जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद, सोनभद्र विकास भवन कक्ष संख्या-57 या जिला सूचना कार्यालय के कक्ष संख्या 32 कलेक्ट्रेट भवन में उपलब्ध कराये।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर साईं हॉस्पिटल में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को विश्व हर साल 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन के मार्गदर्शन में में शिक्षित करना है। आंदोलन के दौरान पोस्टर प्रस्तुति,

स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर साईं हॉस्पिटल एंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग में छात्र/छात्राओं द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। वर्ष 2026 की थीम 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट' विज्ञान के साथ खड़े रहें' (टुगेदर फॉर हेल्थ . स्टैंड विथ साइंस) के तहत छात्र/छात्राओं ने समुदाय को स्वास्थ्य के प्रति प्रेरित किया। इस मौके पर संस्थान के प्रबंधक डायरेक्टर डॉक्टर अनुपमा सिंह ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है, ताकि वैश्विक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता फैलाई जा सके और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा दिया जा सके। डॉ अनुपमा सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य सेवा में वैज्ञानिक दृष्टिकोणों के महत्व के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना, स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में एकता को प्रोत्साहित करना, साक्ष्य-आधारित अभ्यास में नर्सों की भूमिका को उजागर करना, समुदाय को निवारक स्वास्थ्य देखभाल उपायों के बारे सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग, टीकाकरण, स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवा में वैज्ञानिक नवाचारों को उजागर करने वाले पोस्टर प्रदर्शित किए गए। इस कार्यक्रम में संस्थान प्राचार्य, संकाय सदस्य, शिक्षकगण, नर्सिंग छात्र/छात्रों और साईं हॉस्पिटल के कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस मौके पर डॉ रोजी, सोल्या मौर्या, राजन सोनी, बीपी सिंह, डॉ किरन, डॉ आभा, डॉ दिब्यां, रेखा, पवन, डॉ सतीश, जूही, रिसु आदि लोग मौजूद रहें।

ओम प्रकाश राव बने कांग्रेस अनुसूची प्रकोष्ठ के जिला चैयरमैन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित प्रकोष्ठ

के चैयरमैन तनुज पुनिया (सांसद) एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र पाल गौतम द्वारा उत्तर प्रदेश अनुसूचित प्रकोष्ठ की जिला चैयरमैन की नियुक्ति में जनपद सोनभद्र से ओमप्रकाश राव व शहर अध्यक्ष सुशील कुमार की नियुक्ति की गई। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कार्यालय पर जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गौड़ की अध्यक्षता में उनका स्वागत किया गया। रामराज गोड़ ने कहा कि ओमप्रकाश के आने पर जनपद में कांग्रेस दलितों की आवाज पहले भी रही है और आज और मजबूती के साथ हम लोग आगे की ओर बढ़ेंगे।ओमप्रकाश राव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी महात्मा गांधी, भीमराव अंबेडकर, पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के सोच की पार्टी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संविधान बनाने के लिए अंबेडकर को दायित्व दिया, वहीं भीमराव अंबेडकर ने सभी वर्गों को साथ में लेकर एक संविधान की संरचना की जिसमें लोगों के मूल अधिकारों और समानता की बात कही गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा दलितों का उत्थान किया है और उनकी हर संभव लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि जनपद सोनभद्र के अंदर हर दलित की आवाज बनेंगे और उनकी हर लड़ाई लड़ने का काम करेंगे। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष सुशील कुमार ने कहा कि शहर के अंदर दलित बस्तियों में वार्डों में जाकर सभी को जोड़ने का काम किया जाएगा। साथ ही किसी भी दलित को अगर कोई समस्या होती है तो हमसे जुड़े उनकी हर लड़ाई लड़ने का काम करेंगे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) ने कहा कि कांग्रेस सभी वर्गों को साथ में लेकर चलती है। उन्होंने कहा कि ओमप्रकाश जी पूर्व में यूथ कांग्रेस के लोकसभा उपाध्यक्ष और जिला उपाध्यक्ष भी रहे हैं और जनपद को भली-भांति जानते हैं। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस राबर्ट्सगंज के अध्यक्ष अमरेश देव पांडेय, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव राजेंद्र प्रसाद चौधरी, विधि के प्रदेश सचिव अखिलेश मिश्रा, विधि प्रकोष्ठ के जिला कोऑर्डिनेटर शादाब आलम, युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष अजीत खरवार, भारतीय युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सूरज वर्मा, राष्ट्रीय छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष अंशु गुप्ता, शहर अध्यक्ष सौम्य सोनकर, व्यापार प्रकोष्ठ के जिला चैयरमैन राहुल जैन, सूचना के अधिकार के जिला चैयरमैन श्रीकांत मिश्रा, कामगार व असंगठित कांग्रेस के जिला चैयरमैन तमेश्वर तिवारी, ह.े.ल.र. के जिला महासचिव रोहित भारती, राजू भारती, शीतल सिंह पटेल, उमेश सिंह, राकेश दुबे आदि लोग मौजूद रहें।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर प्रकाश जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को प्रकाश

जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल में विश्व स्वास्थ्य दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में पोस्टर, निबंध एवं डॉक्टर के क्रियाकलाप से संबंधित प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय के छात्र एवं छात्रा अभिषेक, अंकित, शिवांग, प्रियांशु एवं अंशिका, प्राजंलि ने बच्चों का इलाज करते हुए स्वास्थ्य से संबंधित सुरक्षित भविष्य के लिए संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के महत्व के बारे में जानकारी दी। उनकी इस प्रस्तुति ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इसके अलावा, छात्र काव्या ने फलों और हरी सब्जियों के लाभ तथा जंक फूड के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि संतुलित आहार ही स्वस्थ जीवन की कुंजी है और हमें अपने दैनिक जीवन में पौष्टिक भोजन को प्राथमिकता देनी चाहिए। विद्यालय के प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद जैन ने अपने संबोधन में कहा कि 'स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है', इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए। विद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष कुमार पांडे ने बताया कि वर्तमान समय में स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए संतुलित आहार लेते हुए नियमित व्यायाम करना चाहिए और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए साथ ही हमें तनाव से दूर रहकर सकारात्मक सोच अपनाना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अंबर उपाध्याय, उप प्रधानाचार्य सुरेंद्र यादव एवं शिक्षिकाएं अनीता सोनी, नैंसी अग्रहरि, सीता पांडे, दीप्ति मिश्रा, रुचि दुबे आदि उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ के बैनर तले संविदा कर्मियों का प्रदर्शन जारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को दूसरे दिन भी संविदा कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर मण्डल सचिव नितेश मौर्या के अध्यक्षता में क्रमिक अनशन चालू किया गया। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जाती, तब तक वे इसी कार्यालय पर अपना विरोध जारी रखेंगे। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गई तो वे 09/04 से भूख हड़ताल करने के लिए बाध्य होंगे। धरने में जिलाध्यक्ष ज्योति कुमार, जिला सचिव अभय पाण्डेय, हेमन्त त्रिपाठी, राजनारायण, ज्ञानप्रकाश, महेन्द्र विश्वकर्मा, मोहन, तसउवर, गिरेन्द्र, उत्तम, जितेंद्र, रहमत के साथ सैकड़ों संविदा कर्मी उपस्थित रहे।

पनौरा के शिक्षामित्र संतोष यादव के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने का आदेश,करीब 5 माह पूर्व आदिवासी महिला को भगाकर अपने पास रखने का है आरोप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। करीब 5 माह पूर्व पनौरा के शिक्षामित्र संतोष यादव द्वारा आदिवासी महिला को भगाकर अपने पास रखने के मामले में विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट सोनभद्र आबिद शमीम की अदालत ने प्रभारी निरीक्षक मांची को एफआईआर दर्ज करने व सीओ से मामले की विवेचना कराने के साथ ही परिणाम से न्यायालय को अवगत कराने का आदेश दिया है। यह आदेश मांची थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 48 वर्षीय आदिवासी व्यक्ति द्वारा अधिवक्ता नरेंद्र प्रताप सिंह के जरिए दाखिल 173(4) बीएनएसएस प्रार्थना पत्र पर दिया गया है। दिए प्रार्थना पत्र में आदिवासी व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि 4 नवंबर 2025 को उसकी 45 वर्षीय पत्नी अचानक गायब हो गई। जिसे हर संभावित जगह तलाश की गई, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला।इसीबीच 20 नवंबर 2025 को मांची थाना क्षेत्र के पल्हारी गांव निवासी संतोष यादव पुत्र रामदुलारे जो पनौरा में शिक्षामित्र है की पत्नी व गांव घर के लोगों ने बताया कि उसकी पत्नी को शिक्षामित्र संतोष यादव भगाकर ले गया है। इसकी जानकारी होने पर 21 नवंबर 2025 को शिक्षामित्र संतोष यादव से पनौरा विद्यालय पर जाकर मिला।जब अपनी पत्नी के बारे में पूछताछ करने लगा तो उसका हाथ पकड़ कर विद्यालय के बाहर ले आया और जाति सूचक शब्दों से गाली देते हुए पटक दिया, जिससे उसे चोट लग गई। उसने यह धमकी दिया कि अगर ज्यादा चिल्लाओगे तो तुम्हें जान से मरवाकर फेंकवा दूंगा तथा तुम्हारी पत्नी को राजस्थान वालों को बेच दूंगा। राहगीरों ने घटना को देखा और बीच बचाव किया। घटना की सूचना पनौरा चौकी पर उसी दिन दिया, लेकिन पुलिस ने मांची थाने पर जाने को कहा। मांची थाने के दीवान ने कहा कि कोर्ट से आदेश कराओ तब शिक्षामित्र संतोष यादव को पकड़ेंगे। 24 नवंबर 2025 को घटना की सूचना एसपी सोनभद्र को रजिस्टर्ड डाक से भेजा, फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। तब मजबूर होकर न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया गया है। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने अधिवक्ता नरेंद्र प्रताप सिंह के तर्कों को सुनने एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर गम्भीर प्रकृति का अपराध मानते हुए पुलिस द्वारा विवेचना कराया जाना आवश्यक मानते हुए प्रार्थना पत्र स्वीकार कर लिया। साथ ही प्रभारी निरीक्षक मांची को पनौरा के शिक्षामित्र संतोष यादव के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के साथ ही सीओ से विवेचना कराने व परिणाम से न्यायालय को अवगत कराने का आदेश दिया है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

12 कारणों से घर में लगते दीमक,बचाव के लिए जरूरी 18 सावधानियां

टर्माइट ट्रीटमेंट में न करें ये 10 गलतियां

बंगलुरु। गर्मियों में कई घरों में दीमक (टर्माइट) की समस्या बढ़ जाती है। दरअसल गर्मी और नमी का मेल दीमकों के लिए दावत जैसा है। ये दीवार की दरारों और लकड़ी के फर्नीचर में छिपकर इन्हें अंदर-ही-अंदर खोखला कर देते हैं। अक्सर जब तक इनका पता चलता है, तब तक काफी देर हो चुकी होती है। दीमक सिर्फ लकड़ी ही नहीं, लंबे समय में घर की दीवारों और नींव को भी कमजोर कर सकते हैं। हालांकि अगर समय रहते कुछ सेफ्टी टिप्स अपनाए जाएं तो इनसे अपने घर को बचाया जा सकता है। आज 'जरूरत की खबर' में बात घर से दीमक भगाने की। साथ ही जानेंगे कि- घरों में दीमक क्यों लगते हैं? घर को दीमक से बचाने के क्या करना चाहिए? विषय को और समझेंगे एक्सपर्टः तौफीक मजूमदार, मैनेजिंग डायरेक्टर, पेस्ट कंट्रोल, बेंगलुरु जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- घरों में दीमक क्यों आते हैं? जवाब- दीमक आमतौर पर नम और अंधेरी जगहों में पनपते हैं। इसके बाद ये धीरे-धीरे लकड़ी, कागज और दीवारों तक फैल जाते हैं। इसके अलावा सीलन, वाटर लीकेज, खराब वेंटिलेशन में भी ये पनप सकते हैं। साफ-सफाई की कमी से ये धीरे-धीरे पूरे घर में फैल सकते हैं। सवाल- घर में किन जगहों पर दीमक लगने का खतरा ज्यादा होता है? जवाब- घरों में दीमक मुख्य रूप से नमी वाली जगहों पर लगते हैं। फर्नीचर, गत्ते, पुरानी किताबें और अखबार दीमकों की पसंदीदा जगहें हैं।

सवाल- दीमक लगने के शुरुआती संकेत क्या होते हैं? जवाब- इसके शुरुआती संकेत हैं- फर्नीचर से बुरादा (पाउडर) गिरना। दीवार या फर्नीचर पर मिट्टी की पतली लाइन दिखना। लकड़ी के सामान खोखले या कमजोर लगना। दरवाजा ठीक से बंद न होना। फर्नीचर का फूलना। पेंट या प्लास्टर का उखड़ना। आसपास पंख वाले छोटे कीड़े (टर्माइट) दिखना। ये संकेत दिखते ही तुरंत एक्शन लेना जरूरी होता है। सवाल- घर को दीमक से बचाने के क्या करना चाहिए? जवाब- नमी दीमकों को सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। इसलिए पानी का लीकेज तुरंत ठीक कराएं और घर में पर्याप्त वेंटिलेशन बनाए रखें।सवाल- अगर घर के किसी सामान में दीमक लग गए हैं तो क्या करें? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- लकड़ी के फर्नीचर में लगे तो क्या करें? फर्नीचर को धूप में रखें। प्रभावित हिस्से को साफ करके पॉलिश/वार्निश करें। एंटी-टर्माइट ऑयल या स्प्रे लगाएं। ज्यादा नुकसान हो तो रिपेयर करें या बदलें। फर्नीचर और दीवार के बीच स्पेस रखें। किताबों में लगे तो क्या करें? संक्रमित किताबों को अलग कर दें।इन्हें धूप में अच्छी तरह सुखाएं। बुकशेल्फ साफ करके एंटी-टर्माइट स्प्रे करें। नमी से बचाने के लिए किताबें सूखी जगह पर ही रखें। बुकशेल्फ में नीम के पत्ते और कपूर रखें। दीवार में लगे तो क्या करें? दीमक वाली जगह की पहचान करें। उस जगह पर एंटी-टर्माइट केमिकल स्प्रे कराएं।

दीवार की दरारें सील करें।पानी का लीकेज ठीक करें। जरूरत हो तो प्रोफेशनल पेस्ट कंट्रोलर की मदद लें। सवाल- गर्मियों में दीमकों का खतरा ज्यादा क्यों होता है? जवाब- दीमकों के लिए गर्मी और बारिश का मौसम (मानसून) सबसे अनुकूल होता है।

इस दौरान गर्मी और नमी (ह्यूमिडिटी) बढ़ने पर ये तेजी से पनपते हैं। बरसात में सीलन के कारण दीमक लकड़ी और दीवारों को नुकसान पहुंचाते हैं, जबकि वसंत और गर्मी में पंख वाले दीमक झुंड में निकलकर नई कॉलोनियां बनाते हैं।सवाल- दीमक से बचाव के लिए फर्नीचर की देखभाल कैसे करें? जवाब- लकड़ी में नमी दीमक को आकर्षित करती है, इसलिए फर्नीचर को सूखी जगह पर रखें। साथ ही कुछ और बातों को ध्यान रखें- फर्नीचर को दीवार से थोड़ा दूर रखें, ताकि हवा पास हो और नमी जमा न हो। रेगुलर सफाई करें। इससे दीमक पनपने की संभावना कम होती है। समय-समय पर फर्नीचर को धूप दिखाएं। इससे नमी खत्म होती है और कीड़े मरते हैं। फर्नीचर पर वार्निश या एंटी-टर्माइट कोटिंग करने से सुरक्षा बढ़ती है। फर्नीचर में छोटे-छोटे छेद या क्रैक्स तुरंत भर दें। ये दीमक के एंट्री पॉइंट्स होते हैं।

किचन, बाथरूम या लीकेज एरिया के पास फर्नीचर न रखें। समय-समय पर फर्नीचर में पाउडर, मिट्टी की लाइन या खोखलापन जांचते रहें। सवाल- दीमक का ट्रीटमेंट करते हुए क्या गलतियां नहीं करनी चाहिए? जवाब- दीमक भगाने के दौरान अक्सर लोग कुछ गलतियां करते हैं, जिससे कुछ दिनों बाद फिर से दीमक लगने शुरू हो जाते हैं। सवाल- क्या दीमक इंसानों को नुकसान पहुंचाते हैं? जवाब- नहीं, दीमक सीधे इंसानों को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। लेकिन ये घर, फर्नीचर और कीमती लकड़ी के सामान खराब कर देते हैं। सवाल- क्या सिर्फ पुराने घरों में ही दीमक लगते हैं? जवाब- नहीं, दीमक नए और पुराने दोनों घरों में लग सकते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि पुराने घरों में लकड़ी और नमी के कारण इनका खतरा ज्यादा होता है।

फुटबॉल में इक्विटी, बास्केटबॉल में रेवेन्यू शेयरिंग से कमाई,महंगे खिलाड़ियों का बिजनेस मॉडल,कई खेलों में संन्यास के बाद भी सैलरी

न्यूयॉर्क । खेल की दुनिया का एक सीधा सच है कि जो खिलाड़ी जितना मशहूर है, उसकी कीमत उतनी ही ज्यादा है। मौजूदा दौर में सुपरस्टार एथलीट्स सिर्फ अपनी टीमों के लिए खेलने वाले मोहरे नहीं रह गए हैं। वे खुद ग्लोबल ब्रांड हैं। यही वजह है कि लियोनेल मेसी या क्रिस्टियानो रोनाल्डो जैसे दिग्गज करियर के ढलान पर होने के बावजूद दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एथलीट हैं। इन खिलाड़ियों को पैसे देने का बिजनेस मॉडल काफी अलग है। कहीं 'डिफर्ड मनी' (भविष्य में भुगतान) से टैक्स बचाया जा रहा है, तो कहीं 'लेवरेज' (दबाव) का इस्तेमाल कर खिलाडी मनचाही कीमत वसूल रहे हैं। फुटबॉल - मेसी को अमेरिकन क्लब इंटर मियामी में सैलरी के साथ हिस्सेदारी भी मिली-38 साल के लियोनेल मेसी जब यूरोप छोड़कर अमेरिकी लीग की टीम इंटर मियामी से जुड़े, तो उन्हें सिर्फ 800 करोड़ रुपए की सालाना सैलरी ही नहीं मिली, बल्कि क्लब में 'इक्विटी' (हिस्सेदारी) और लीग के ब्रॉडकास्ट पार्टनर के रेवेन्यू में से एक तय हिस्सा भी दिया गया। वहीं, रोनाल्डो सऊदी क्लब अल-नासर क्लब में सालाना 2000 करोड़ रुपए कमा रहे हैं। यह पैसा सऊदी के 'पब्लिक इन्वेस्टमेंट फंड' से आता है। रोनाल्डो की स्टार पावर का इस्तेमाल कर सऊदी अरब अपनी छवि सुधारना चाहता है। बेसबॉल - शोहेई ओटानी के साथ 'डिफर्ड मनी' मॉडल, क्लब की टैक्स बचाने की डील, मेजर लीग बेसबॉल में कोई सैलरी कैप नहीं है, लेकिन एक तय सीमा से ज्यादा खर्च करने पर 'लग्जरी टैक्स' देना पड़ता है। जापानी सुपरस्टार शोहेई ओटानी ने लॉस एंजिलिस डोजर्स के साथ 10 साल के लिए करीब 6450 करोड़ रुपए का करार किया। ओटानी हर साल करीब 18.5 करोड़ रुपए की सैलरी लेंगे। बाकी के करीब 6300 करोड़ उन्हें उनके रिटायरमेंट के बाद (2034 से 2043 तक) किश्तों में दिए जाएंगे। इस 'डिफर्ड मनी' मॉडल ने टीम को लग्जरी टैक्स से बचा लिया। एनएफएल व बास्केटबॉल - कमाई में हिस्सा और टीम पर दबाव बनाकर राशि बढ़वाना एनएफएल में डलास काउबॉयज के डैक प्रेस्कॉट (4 साल के लिए 2230 करोड़) सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। प्रेस्कॉट लीग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी नहीं हैं, लेकिन उन्होंने सही समय पर टीम पर दबाव बनाया। टीम के पास दूसरा विकल्प नहीं था,

इसलिए उन्हें ऐतिहासिक डील देनी पड़ी। वहीं, एनबीए में रेवेन्यू खिलाड़ियों और मालिकों के बीच 50-50 बंटता है। 10 साल से ज्यादा अनुभव वाले सुपरस्टार्स सैलरी कैप का 35फीसदी तक ले सकते हैं। इसलिए स्टीफन करी जैसे खिलाड़ी इस सीजन में करीब 550 करोड़ रुपए कमा रहे है। बॉक्सिंग - खिलाड़ी की मार्केट वैल्यू और पे-पर-व्यू सबसे अहम-बॉक्सिंग में मार्केट वैल्यू और पे-पर-व्यू की ताकत है। मैक्सिकन बॉक्सर अल्वारेज को हाल ही में टेरेंस क्रॉफर्ड के खिलाफ हार मिली। इसके बावजूद, कैनेलो को इस फाइट के लिए करीब 910 करोड़ रुपए मिले। वहीं, विजेता क्रॉफर्ड को करीब 92 करोड़ राशि मिली। गोल्फ - सऊदी का नया टूर्नामेंट बना तगड़ी कमाई का आधारवर्ल्ड नंबर-1 स्कॉटी शेफलर ने 2024 व 2025 में हर साल करीब 280 करोड़ कमाए। दूसरी तरफ, जॉन रैम ने 2025 में एक भी टूर्नामेंट नहीं जीता लेकिन सऊदी फंडेड

फुट मसाज से घटता स्ट्रेस,खुद से फुट मसाज करने के 9 टिप्स, न करें ये 7 गलतियां, डॉक्टर से जानें इसके 6 फायदे

नयी दिल्ली। दिनभर की भागदौड़, ऑफिस का दबाव, घर की जिम्मेदारियां और लगातार मोबाइल या कंप्यूटर की स्क्रीन पर नजरें टिकाए रखना। इन सब चीजों का असर हमारे शरीर और दिमाग पर पड़ता है। इससे थकान बढ़ती है और मानसिक तनाव भी बना रहता है। अक्सर हम इतनी थकान के बावजूद काम को जारी रखते हैं। फुट मसाज यानी पैरों की मालिश एक आसान और असरदार तरीका है। यह न केवल बिना दवा के किया जा सकता है, बल्कि खर्च भी बहुत कम है। पैरों में शरीर के कई महत्वपूर्ण प्रेशर पॉइंट्स होते हैं, जिन्हें हल्के दबाव से मालिश करने पर तनाव कम होता है, नींद सुधरती है और दिमाग को शांति मिलती है। मामले को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- क्या वाकई सिर्फ पैरों की मसाज से पूरा शरीर रिलैक्स हो सकता है? जवाब- साल 2022 में, नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश्ड एक स्टडी के मुताबिक, रिफ्लेक्सोलॉजी (जिसमें पैरों, हाथों या कानों के कुछ खास बिंदुओं पर दबाव डाला जाता है) से तनाव कम होता है और शरीर को आराम मिलता है। पैरों की सतह पर मौजूद एक्यूप्रेशर पॉइंट्स सीधे दिमाग, दिल, किडनी, फेफड़े और रीढ़ की नसों से जुड़े होते हैं। जब हम इन पॉइंट्स पर हल्का दबाव डालते हैं तो शरीर का नर्वस सिस्टम सक्रिय होता है, ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और मांसपेशियों की जकड़न कम होती है। इससे पूरे शरीर में रिलैक्सिंग हार्मोन (जैसे एंडोर्फिन और सेरोटोनिन) रिलीज होते हैं, जो तनाव घटाने में मदद करते हैं।सवाल- क्या फुट मसाज से नींद बेहतर हो सकती है? जवाब- अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन के अनुसार, पैरों की मालिश तनाव कम करने में मदद करती है और बेहतर नींद में सहायक हो सकती है। रोज रात सोने से पहले 10-15 मिनट तक पैरों की हल्की मसाज करने से पैर गर्म होते हैं और नसों की एंडिंग्स शांत हो जाती हैं। यह प्रक्रिया शरीर को 'रिस्ट मोड' में डाल देती है, जिससे जल्दी नींद आती है और नींद की क्वालिटी भी बेहतर होती है। खासकर जिन लोगों को बार-बार नींद से जागने या अनिद्रा की शिकायत होती है उनके लिए यह फायदेमंद साबित हो सकता है। सवाल- किन-किन तरीकों से पैरों की मसाज की जा सकती है? जवाब- हम बिना किसी ट्रेनिंग के पैरों की मालिश के लिए कुछ आसान तरीके अपना सकते हैं, जिन्हें घर पर आजमाया जा सकता है। सवाल- क्या ऊपर बताए गए मसाज के तरीके किसी भी उम्र के लोग कर सकते हैं? जवाब- हां, ये तरीके 10 साल के बच्चे से लेकर 80 साल के बुजुर्ग तक, सभी के लिए फायदेमंद हैं। कुछ विशेष परिस्थितियों जैसे चोट लगी होने या बीमार होने पर मसाज करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है। हालांकि सामान्य थकान, तनाव या नींद की परेशानी में ये उपाय सुरक्षित हैं। सवाल- क्या किसी विशेष समय पर मसाज करने से ज्यादा फायदा होता है? जवाब- रात को सोने से ठीक पहले किया गया फुट मसाज सबसे प्रभावी होता है। उस समय शरीर पहले से ही रिलैक्स मोड में होता है और मसाज दिमाग को नींद के लिए तैयार करता है। इसके अलावा, सुबह उठने के तुरंत बाद हल्का मसाज भी शरीर को एक्टिव रखने में मदद करता है। सवाल- मसाज करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- पैरों की मालिश करते समय कुछ जरूरी बातें हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

आइए इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं। सवाल- क्या फुट मसाज सिर्फ तनाव कम करता है या और भी फायदे हैं? जवाब- पैरों की मालिश से न केवल तनाव और थकान घटती है, बल्कि ये शरीर के कई और हिस्सों पर भी सकारात्मक असर डालता है। आइए इसके फायदे ग्राफिक के जरिए समझते हैं। सवाल- क्या कोई घरेलू तरीके है जिससे पैरों की मालिश करने में आसानी हो? जवाब- हां, आप कुछ घरेलू उपाय आजमा सकते हैं, आइए इन तरीकों को ग्राफिक के जरिए समझते हैं।

सवाल- क्या ये आदत रोज अपनाई जा सकती है? जवाब- बिल्कुल। 10-15 मिनट की यह आदत न सिर्फ तनाव घटाती है, बल्कि एक शॉर्ट मेडिटेशन का एक्सपीरियंस भी कराती है। खासतौर पर जब आप थकान से चूर हों, दिनभर भागदौड़ में उलझे हों और दिमाग शांत न हो तो इस तरीके को अपनाकर बिना किसी दवा या खर्च के गहरी राहत पा सकते हैं।

डायबिटीज रातों-रात नहीं होती,शरीर देता ये 8 संकेत, एक भी लक्षण दिखे तो न करें इग्नोर, तुरंत लें डॉक्टर की सलाह

नयी दिल्ली। द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की हालिया स्टडी के मुताबिक, साल 2019 में हर पांच में से दो लोग यानी लगभग 40फीसदी लोग यह नहीं जानते हैं कि उन्हें डायबिटीज है। 45 साल और उससे ज्यादा उम्र के हर पांच में से एक व्यक्ति को डायबिटीज है। ऐसे लोगों की संख्या 5 करोड़ से भी ज्यादा है। अगर डायबिटीज लंबे समय तक कंट्रोल न की जाए तो इससे शरीर के कई अंग प्रभावित होने लगते हैं। इससे हार्ट डिजीज, स्ट्रोक, किडनी फेलियर, आई साइट कमजोर होने, नसों को नुकसान और पैरों में गंभीर समस्याए हो सकती हैं। इसके बावजूद भारत में कई लोग, खासकर बुजुर्ग, डायबिटीज को मैनेज करने में लापरवाही बरतते हैं। क्या आपको पता है कि ज्यादा प्यास लगना या बार-बार पेशाब जाना डायबिटीज का पहला संकेत हो सकता है? यह बीमारी दो मुख्य प्रकार की होती है- टाइप 1 और टाइप 2, टाइप 1 में शरीर इंसुलिन नहीं बना पाता, जो ज्यादातर बच्चों और युवाओं में होती है। टाइप 2 सबसे आम है, जहां शरीर इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं कर पाता। अगर आपका वजन ज्यादा है या परिवार में किसी को डायबिटीज है, तो खतरा बढ़ जाता है। आज 'फिजिकल हेल्थ' में हम डायबिटीज की शुरुआती संकेत जानेंगे। साथ ही जानेंगे कि- टाइप 1 और टाइप 2 में क्या फर्क है? कॉम्प्लिकेशंस के वॉर्निंग साइन्स क्या हैं? ब्लड शुगर को मैनेज कैसे करें? डायबिटीज क्या है और इसे समझना क्यों जरूरी है? डायबिटीज ब्लड शुगर की समस्या है। हम जो खाते हैं, शरीर उसे इस्तेमाल करने के लिए ग्लूकोज में बदलता है। इससे शरीर की कोशिकाओं को ऊर्जा मिलती है। कोशिकाओं को ग्लूकोज इस्तेमाल करनेके लिए इंसुलिन हॉर्मोन की जरूरत पड़ती है। अगर इंसुलिन कम बने या सही काम न करे, तो ग्लूकोज ब्लड में ही रह जाता है। इससे थकान, कमजोरी और दूसरी परेशानियां महसूस हो सकती हैं। पूरी दुनिया में डायबिटीज के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। अगर इसे समय पर डायग्नोज न किया जाए तो हार्ट प्रॉब्लम, किडनी फेलियर या आई साइट में वीकनेस हो सकती है। अच्छी बात यह है कि लाइफस्टाइल बदलकर इसे कंट्रोल किया जा सकता है। यह दो तरह का होता है, टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज दोनों के लक्षण लगभग एक जैसे होते हैं। अगर ब्लड शुगर बढ़ गया है तो शरीर कुछ संकेत देता है। अगर ज्यादा भूख लग रही है तो इसका मतलब है कि कोशिकाओं को पर्याप्त ऊर्जा नहीं मिल पा रही है। इसलिए थकान भी लगने लगती है। बार-बार पेशाब जाना भी इसका बड़ा संकेत है। सामान्य व्यक्ति दिन में 4-7 बार पेशाब करता है, लेकिन डायबिटीज में किडनी ज्यादा शुगर बाहर निकालने की कोशिश करती है, तो पेशाब ज्यादा लगती है। इसमें प्यास भी ज्यादा लगती है। मुंह सूखना, स्किन ड्राई और खुजली होना, धुंधला दिखना- ये सब डायबिटीज के कॉमन लक्षण हैं। इसमें अचानक वजन भी कम हो सकता है, क्योंकि शरीर फैट और मसल्स जलाने लगता है। जब ब्लड शुगर कम होता है तो सिरदर्द भी हो सकता है। टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज में लक्षणों का फर्क-टाइप-1 के लक्षण अचानक और तेजी से दिखने लगते हैं। इसके लक्षण आमतौर पर बच्चों में देखने को मिलते हैं। इसके मुख्य लक्षण- ज्यादा पेशाब, प्यास, थकान और वजन कम हना हैं। टाइप-2 में लक्षण धीरे-धीरे सामने आते हैं, ये कई सालों तक नजर नहीं आते हैं। लोग सोचते हैं कि उन्हें बढ़ती उम्र की वजह से थकान हो रही है। ये टाइप-2 डायबिटीज का संकेत हो सकता है। महिलाओं और पुरुषों में फर्क- महिलाओं और पुरुषों में लक्षण लगभग एक जैसे होते हैं, लेकिन महिलाओं को डायबिटीज होने पर वैजाइनल इंफेक्शन या यूरिन इंफेक्शन ज्यादा हो सकता है। पुरुषों में मसल्स वीकनेस या सेक्शुअल प्रॉब्लम्स के लक्षण दिख सकते हैं। बच्चों में डायबिटीज के शुरुआती संकेत- बच्चों को आमतौर पर टाइप-1 होता है, यह 5-6 की उम्र से लेकर या 11-13 साल की उम्र में होता है। इसके लक्षणों में ज्यादा भूख-प्यास, बार-बार पेशाब, थकान, धुंधला दिखना, चिड़चिड़ापन हो सकता है। लड़कियों में वैजाइनल इंफेक्शन और छोटे बच्चों में डायपर रैश की समस्या हो सकती है। टाइप-2 डायबिटीज से बच्चों को मोटापा हो सकता है, थकान, प्यास, डार्क स्किन जैसे लक्षण भी दिख सकते हैं। प्रेग्नेंसी में जेस्टेशनल डायबिटीज के संकेत- प्रेग्नेंसी में डायबिटीज के कोई खास लक्षण नहीं दिखते हैं। थोड़ी ज्यादा प्यास, बार-बार पेशाब, मुंह सूखना या थकान देखने को मिल सकता है। अगर वजन ज्यादा हो या फैमिली हिस्ट्री हो तो डॉक्टर 24-28 हफ्तों में टेस्ट करते हैं। डायबिटीज का पता लगाने के लिए टेस्ट-ए1सी टेस्ट ब्लड शुगर की औसत बताता है। यह प्रतिशत में आता है- 5.7फीसदी से कमः नॉर्मलः 5.7-6.4फीसदी : प्री-डायबिटीज-6.5फीसदी या ज्यादाः डायबिटीज, डायबिटीज वाले लोगों के लिए 7फीसदी से कम टारगेट अच्छा है। प्रेग्नेंसी में ग्लूकोज चैलेंज टेस्ट होता है, जहां मीठा घोल पिलाकर ब्लड शुगर चेक करते हैं। डायबिटीज की कॉम्प्लिकेशंस के वॉर्निंग साइन- अगर डायबिटीज कंट्रोल न हो, घाव जल्दी नहीं भरते, स्किन में खुजली, यीस्ट इंफेक्शन, वेट गेन, गर्दन-कांख की स्किन डार्क होना, हाथ-पैर सुन्न होना, आंखें कमजोर होना, पुरुषों में इरेक्टाइल डिसफंक्शन जैसे संकेत बताते हैं कि समस्या बढ़ रही है। डॉक्टर से कब कंसल्ट करें? अगर उम्र 45 साल से ऊपर हैं या रिस्क फैक्टर हैं, तो टेस्ट करवाएं। अगर पेट दर्द, बहुत प्यास, सांस तेज, सांस से नेल पॉलिश जैसी गंध आए तो- तुरंत डॉक्टर के पास जाएं। शुरुआत में ही डायग्नोज होने से नर्व डैमेज और हार्ट प्रॉब्लम से बच सकते हैं। डायबिटीज को मैनेज कैसे करें?लाइफस्टाइल टिप्स- डायबिटीज मैनेजमेंट में डेली रूटीन। ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए खानपान, एक्सरसाइज, दवाएं और स्ट्रेस मैनेजमेंट जरूरी है। खानपान से ब्लड शुगर होगी कंट्रोल हेल्दी ईटिंग सबके लिए जरूरी है, लेकिन डायबिटीज में और ज्यादा जरूरी है। खाने में कार्ब्स काउंटिंग या प्लेट मेथड यूज करें। प्लेट मेथड में आधी प्लेट नॉन-स्टार्ची सब्जियां, एक चौथाई लीन प्रोटीन और एक चौथाई हेल्दी कार्ब्स लें। स्वीट ड्रिंक्स कम पिएं। फाइबर वाली चीजें जैसे फल, सब्जियां, होल ग्रेन खाएं। रिफाइंड कार्ब्स जैसे व्हाइट ब्रेड और केक कम खाएं।

फर्जी मामलों में पीड़ित को मुआवजा देना अब जरूरी है

दहेज उत्पीड़न और विवाहिताओं के खिलाफ क्रूरता के मामलों में दो महीने तक गिरफ्तारी पर रोक के लिए सुप्रीम कोर्ट का नया फैसला भी कहीं पुराने फैसलों

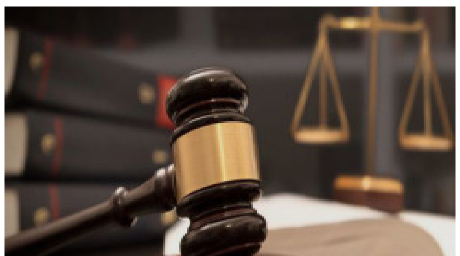

की तरह कानून की किताबों में गुम न होकर रह जाए? इसके लिए 5 बिंदुओं पर समझ जरूरी है।1. गिरफ्तारी : जोगिंदर कुमार बनाम यूपी राज्य (1994) के फैसले के अनुसार हिरासत और गिरफ्तारी के लिए पुलिस को अनेक अधिकार मिले हैं। चीफ जस्टिस वेंकटचलैया के अनुसार विवेक का इस्तेमाल किए बगैर मनमाने तरीके से गिरफ्तारी असंवैधानिक और गैर-कानूनी है। 1996 में डीके बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य के फैसले में हिरासत में लिए लोगों के कानूनी अधिकार तय किए गए थे। अर्नेश कुमार बनाम बिहार राज्य (2014) के फैसले में हिरासत और जेल को अपवाद कहा गया था। इन फैसलों के अनुसार जारी शासनादेशों का अनुपालन नहीं होने से थानों और अदालतों के चक्कर में करोड़ों परिवार तबाह हो रहे हैं। 2. सुप्रीम कोर्ट : नए फैसले के अनुसार धारा 498-ए के दुरुपयोग को रोकने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के जून 2022 के आदेश के अनुसार जिलों में परिवार कल्याण समितियों का गठन होना चाहिए। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट ने राजेश शर्मा मामले में जून 2017 में एक बड़ा फैसला दिया था। उसके अनुसार धारा 498-ए से जुड़े अधिकांश मामलों में फर्जी तरीके से पति और उसके परिजनों को पुलिस केस में फंसाया जाता है। फैसले में नेशनल लीगल सर्विसेस अथॉरिटी को मार्च 2018 तक रिपोर्ट पेश करने का आदेश था, जिसका 8 साल बाद कोई विवरण नहीं आ रहा। धारा 498-ए के दुरुपयोग को रोकने के लिए 2008 में दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के अनुसार दिल्ली में पुलिस अधिकारियों के लिए सख्त दिशानिर्देश जारी किए गए थे। ऐसे अनेक पुराने फैसलों पर जब अमल नहीं हो रहा तो अब नए फैसले के बाद जमीनी स्तर पर लोगों को इंसाफ कैसे मिलेगा? 3. संसद से कानून : पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संविधान के अनुच्छेद 142 की विशिष्ट शक्तियों के दुरुपयोग और सुप्रीम कोर्ट के सुपर-संसद बनने पर रोष व्यक्त किया था। अनुच्छेद 141 के तहत सुप्रीम कोर्ट के आदेश अधीनस्थ अदालतों के लिए बाध्यकारी होते हैं। पर उन फैसलों के अनुसार सरकार और संसद ने आईपीसी या बीएनएस और सीआरपीसी या बीएनएसएस की कानून की किताबों में बदलाव नहीं किए। इस संसदीय विफलता की वजह से पुलिस की मनमर्जी के साथ अदालतों में अराजकता बढ़ रही है। 4. जिला अदालतें : अदालतों में चल रहे 5.07 करोड़ मुकदमों में से लगभग 70 फीसदी यानी 3.52 करोड़ आपराधिक हैं। गरीबों को सही मामलों में भी एफआईआर दर्ज कराने के लिए थानों में एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ता है। दूसरी तरफ नेताओं और रसूखदार लोगों के इशारों पर सिविल मामलों में भी फर्जी एफआईआर दर्ज हो जाती है। सुप्रीम कोर्ट के नए-पुराने फैसलों से साफ है कि पारिवारिक मामलों में फर्जी तरीके से पति और उसके परिजनों को फंसाने का दुश्चक्र चल रहा है। पुलिस की गिरफ्तारी के बाद जिला अदालतों में रूटीन तरीके से आरोपियों को जेल भेज दिया जाता है। जमीन के मामलों में पटवारी की रिपोर्ट और आपराधिक मामलों में पुलिस दरोगा की एफआईआर को अदालतों में अकाट्य मानने के साम्राज्यवादी रिवाज की वजह से आजाद भारत के करोड़ों लोग पीढ़ी-दर-पीढ़ी थाने और अदालतों के धक्के खाने के लिए अभिशप्त हैं। 5. गुजारा भत्ता : सुप्रीम कोर्ट के इस नए फैसले से दो दर्जन से ज्यादा मुकदमे और गुजारा भत्ता की रकम रद्द होने के साथ हाल ही के शिवांगी बंसल वाले मामले में आईपीएस पत्नी को माफीनामा भी देना पड़ा। लेकिन पति और पिता को 100 दिन से ज्यादा जेल में रहना पड़ा, उसकी भरपाई कैसे होगी? कुछ दिनों पहले सुप्रीम कोर्ट में पत्नी ने गुजारा भत्ता के नाम पर 12 करोड़ रुपए, लग्जरी फ्लैट और कार की मांग की थी। लिव-इन रिश्तों को कानूनी मान्यता और स्त्री-पुरुष समानता के दौर में तलाक के कानून को सरल बनाने के साथ गुजारा भत्ता के नियमों को व्यावहारिक बनाने के लिए सात दशक पुराने कानूनों में बदलाव लाने की जरूरत है।डिजिटल इंडिया का समय है। ऐसे में आम जनता के हितों और अधिकारों से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के निर्विवाद फैसलों के विवरण का ऐप जारी हो। फैसलों का पालन नहीं करने वाले पुलिस और न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ अवमानना का मामला चलने के साथ प्रशासनिक निलम्बन की कार्रवाई हो। फर्जी तरीके से दर्ज एफआईआर और गैर-कानूनी हिरासत के मामलों में पीड़ित व्यक्ति को मुआवजा मिले। ऐसा होगा तो ही दहेज उत्पीड़न और एससी/एसटी समेत सभी मामलों में कठोर कानूनों के दुरुपयोग पर प्रभावी रोक लग सकेगी। (ये लेखक के अपने विचार हैं, विराग गुप्ता)

अब भारतीय राजनीति में 'थरूर फैक्टर' के क्या हैं मायने?

पहलगाम हमले के बाद विपक्ष की राजनीति में यदि कोई केंद्र बिंदु बना है तो वो हैं डॉ. शशि थरूर। वे तब सुर्खियों में आए, जब केंद्र सरकार ने उन्हें विश्व

की राजधानियों में भेजे जा रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से एक का नेतृत्व सौंपा, जबकि उनकी पार्टी ने उनके नाम की सिफारिश तक नहीं की थी।हालांकि मनमोहन सिंह ने भी कश्मीर पर राउंड-टेबल वार्ता के लिए 2006 में श्रीनगर में एक ऐसे 'सरकारी प्रतिनिधिमंडल' का नेतृत्व किया था, जिसके लिए दूसरी पार्टियों के अध्यक्षों से कोई सुझाव नहीं मांगे गए थे। वास्तव में, सरकार ने तीन और ऐसे कांग्रेस सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है, जो कांग्रेस की ओर से नामित नहीं किए गए थे। इनमें सलमान खुर्शीद, मनीष तिवारी और अमर सिंह हैं। सरकार ने राहुल गांधी की ओर से भेजे गए नामों में से सिर्फ आनंद शर्मा को ही चुना, शेष तीन नाम खारिज कर दिए। यदि थरूर को शामिल नहीं किया गया होता तो कांग्रेस और सरकार के बीच एक ऐसे समय में राजनीतिक मतभेद उभरकर सामने नहीं आए होते, जब सरकार कूटनीतिक मोर्चे पर भारत की एकजुटता दिखाने की कोशिश कर रही है। थरूर ने निमंत्रण को तुरंत स्वीकारा और उसे अपने लिए 'सम्मान' बताया। उन्होंने कहा कि 'जब देशहित में मेरी सेवाओं की दरकार हो तो मैं पीछे नहीं हटूंगा।' थरूर ने वैश्विक मीडिया के सामने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत का पक्ष बेहद प्रभावी ढंग से रखा था। केरल से चार बार सांसद रह चुके थरूर एक समय संयुक्त राष्ट्र के महासचिव बनने को लेकर उम्मीदजदा थे। तब उनकी वाकपटुता और सम्प्रेषण-कौशल ने भाजपा और कांग्रेस दोनों को प्रभावित किया था। कई लोगों का मानना है कि पहलगाम के बाद भारत के पक्ष को थरूर ने इतने बेहतर तरीके से सामने रखा है, जितना कि भाजपा प्रवक्ता भी नहीं कर पाए थे। पिछले कुछ समय से थरूर कांग्रेस आलाकमान की आंख की किरकिरी बने हुए हैं। गांधी परिवार को लगता है कि उन्होंने थरूर की कई बार करियर में आगे बढ़ने में मदद की थी, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में वे पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार मल्लिकार्जुन खरगे के सामने खड़े हो गए। हालांकि थरूर हार गए, लेकिन उन्होंने अपना असर जरूर छोड़ा।वे पार्टी से परे भी अपने प्रशंसक बनाने में सफल रहे हैं। कुछ समय पहले उन्होंने नाराजगी जताते हुए यह भी कहा था कि पार्टी ने उनका ठीक से उपयोग नहीं किया है और उनके पास 'दूसरे विकल्प' भी हैं। सोशल मीडिया पर उनके बड़ी संख्या में फॉलोअर्स हैं। पेशेवर और बुद्धिमान लोगों के साथ ही युवा भी उन्हें सम्मान की नजर से देखते हैं। लोग उन्हें सुनने आते हैं। उनके समर्थक केरल ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण भारत में देखे जा सकते हैं। उन्होंने अपना यह जनाधार हाईकमान की मदद के बिना तैयार किया है। कांग्रेस में कई नेता अचरज करते हैं कि आखिर थरूर की राजनीति क्या है? कई उनके भाजपा की ओर झुकाव का संकेत भी करते हैं। मोदी सरकार द्वारा थरूर को एक उच्चस्तारीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई सौंपने से भी इन अटकलों को बल मिला है। थरूर के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल अमेरिका सहित पनामा, गयाना, ब्राजील और कोलंबिया जाएगा।मौजूदा हालात में यह साफ नहीं है कि क्या कांग्रेस उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करेगी और अगर हां तो किस आधार पर। केरल में अगले साल चुनाव होने जा रहे हैं, ऐसे में थरूर के खिलाफ कोई भी कदम उठाना कांग्रेस के लिए मुश्किलें पैदा कर सकता है।

केरल ऐसा राज्य है, जहां कांग्रेस अपनी जीत के प्रति आश्वस्त है। वाम मोर्चा वहां पर पिछले दो कार्यकालों से सत्ता में है।यह भी साफ नहीं है कि थरूर आने वाले हफ्तों में क्या करने वाले हैं। क्या वे नई पार्टी बनाएंगे, अलबत्ता यह कभी भी आसान नहीं होता। वे भाजपा या सीपीएम में शामिल हो सकते हैं। लेकिन इसकी भी संभावना बहुत कम है। क्योंकि ऐसा करने पर उनकी वो तमाम राजनीतिक पूंजी नष्ट हो सकती है, जो उन्होंने कमाई है। या क्या वे निर्दलीय सांसद के रूप में केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल हो सकते हैं? ये सब अभी अटकलें हैं, लेकिन यह साफ है कि केंद्र सरकार उनका सदुपयोग करना चाह रही है। थरूर भी उम्मीद कर सकते हैं कि सरकार उन्हें ऐसी कोई भूमिका दे, जैसे अभी दी है। किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी, लेकिन थरूर-फैक्टर हमें भविष्य के बदलावों का संकेत जरूर देता है। क्या गांधी परिवार की अवहेलना के बावजूद अपनी जमीन कायम रखने से थरूर को कांग्रेस के अनपेक्षित हलकों से समर्थन दिलाया है? अतीत में कैप्टन अमरिंदर सिंह को भी तो इन्हीं कारणों से लोकप्रियता मिली थी।भाजपा यह साबित करने में तो निश्चय ही सफल हुई है कि कांग्रेस में शशि थरूर जैसे अनेक सक्षम, वाकपटु और अनुभवी नेता हैं, जिनको मौका मिले तो वे गांधी परिवार की तुलना में पार्टी का बेहतर तरीके से नेतृत्व कर सकते हैं। (ये लेखिका के अपने विचार हैं।)

नारियल पानी वालों करो न गुरूर, चाय का है अपना सुरूर

मेरी बेटी को चाय बिलकुल पसंद नहीं। वो सिर्फ कॉफी पीती है। सोचा था, वो बड़ी होगी, कहेगी- मम्मी, एक कप चाय बना दूं? साथ पीएंगे। वो दिन कभी आया नहीं। मेरी नाक के नीचे मेरे खून ने मुझसे ही बगावत कर दी! और अब हमारे घर में एक जंग छिड़ी हुई है- चाय बेहतर या कॉफी? वैसे बचपन में मैंने भी कभी चाय नहीं पी थी, होस्टल में जाकर आदत पड़ी। फिर ऑफिस में 11 बजे और 3 बजे इंतजार रहता था- कब टपरी से बालू आएगा, चाय का घूंट पिलाएगा।मुम्बई में इसे कहते हैं 'कटिंग'- शीशे के एक छोटे ग्लास में जरा-सी चाय आती है। लेकिन आहाहाहा, क्या किक देकर जाती है। पहला सिप मानो अमृत- मीठी, कड़क, अदरक-भरी। थके मन, झुके तन को जगा देने वाला घूंट। बॉस की चिड़चिड़ाहट को शांत करने वाला घूंट। भूत-प्रेत को डरा देने वाला घूंट।यह वो चाय है जिसके सहारे देश का पहिया घूमता है। बूढ़ा और नौजवान झूमता है। लेकिन मेरी बेटी नहीं। उसका मानना है कि कॉफी ही वो एकमात्र ड्रिंक है जिसे पीकर दिन शुरू होता है। चाहे उसे बनाने में आधा दिन निकल जाए। पहले वो कॉफी बीन्स ग्राइंडर में पीसती है, फिर फिल्टर पेपर से सींचती है। इस लंबे-चौड़े प्रोसेस के बाद मिलता है काला पानी, जिसे शौकीन कहते हैं- 'फ्रेश ब्रू'। जी हां, ऐसे ही फैंसी शब्दों से कॉफी ने हमारे जेन-जी का दिल और दिमाग जीत लिया है। एक तो कॉफी शॉप इतनी ठंडी-ठंडी, कूल-कूल। इसकी तुलना में कहां चाय की टपरी का टूटा हुआ स्टूल। स्टारबक्स में कॉफी की इतनी वैरायटी, कि सटक गई चायप्रेमी सोसाइटी। अब तो आंटी-अंकल भी कैप्पुचीनो पीने वहां जाते हैं, लेकिन क्या सचमुच वो आनंद पाते हैं? सबसे बड़ा धोखा यह- चाय के नाम पर 'चाय-लाते'। यह एक ऐसा गंदा ड्रिंक है, जो मैंने पहली बार अमेरिका में पिया और तुरंत फेंक दिया। बचपन में एग्जाम के पहले दूध में नेस्कैफे घोल कर जो अपमान हमने कॉफी का किया, शायद उसी के बदले में गोरों ने 'चाय-लाते' ईजाद किया। खैर, जो भी विदेश गया है, वो जानता है कि बाकी दुनिया चाय के नाम पर कुछ बकवास ही बिक रहा है। अगर आपने रेस्तरां में चाय मंगाने की बेवकूफी की तो आपको मिलेगा गरम पानी और एक टी-बैग। वो टी-बैग एक नाजुक-सी अप्सरा है, जो आपके चाय के कप में दस मिनट के डांस के बाद पानी को हल्का सा भूरा करेगी। बस। उससे भी बदतर है हर्बल टी। भाई, वो तो आप दवाई समझकर पी लो, चाय का नाम क्यों खराब करते हो? वैसे हर्बल कॉफी तो मैंने कभी सुनी नहीं, तो फिर चाय के ही साथ यह बदसलूकी क्यों? और 'ग्रीन टी' ने तो हद ही कर दी। आजकल सरकारी दफ्तरों में भी लोग यही पी रहे हैं, कहते हैं स्वास्थ्य के लिए अच्छी है। असली समस्या आपको बताऊं- चाय पीने वालों में अब एकता नहीं! आप चार लोगों से पूछो- चाय लोगे- तो चार जवाब आते हैं। एक कहता है बिना शक्कर, एक कहता है कम दूध। किसी को मसाला तेज चाहिए, किसी को नो अदरक नो इलायची। भाई, चार कप के लिए चार पतीले कौन चढ़ाएगा? खैर, चाय-कॉफी के वाद-विवाद के बीच एक नया प्राणी प्रकट हुआ है। जो कहता है- नो थैंक यू, दोनों ही जहर हैं। मैं तो सिर्फ नारियल पानी पीता हूं। मतलब वो योगा या हेल्थ फ्रीक, जिसने हम चाय-कॉफी वालों को बुरी आदत पालने वालों का खिताब दे दिया है।

छात्रों को एआई टूल्स से चीटिंग करने से कैसे रोकें?

मैं एक ऐसी महिला को जानता हूं जो लैटर लिखने का काम करती थीं। इससे वो अच्छा कमा लेती थीं। वो आईवी कॉलेजों (हॉर्वर्ड,

ऑक्सफोर्ड जैसे प्रतिष्ठित कॉलेज) में दाखिला लेने के इच्छुक छात्रों के लिए 'लेटर ऑफ पर्पस' (एलओपी) लिखती थीं। वो उनमें से थी, जिनके पास दोस्तों तक के फोन उठाने का वक्त नहीं होता था, खासकर भारत में हाई स्कूल के रिजल्ट के बाद। उनका रिकॉर्ड था कि उनके किसी भी स्टूडेंट का आईवी कॉलेज में आवेदन निरस्त नहीं हुआ। वो छात्रों का व्यक्तिगत साक्षात्कार करतीं, उन्हें समझतीं, फिर एलओपी तैयार करतीं। इसके अलावा, छात्रों को दो घंटे की व्यक्तिगत कोचिंग देतीं कि इंटरव्यू में कैसे पेश आएं, संभावित सवाल क्या हो सकते हैं। असल इंटरव्यू से चंद घंटे पहले पर्सनल कोचिंग फिर दोहराती। ताज्जुब की बात नहीं कि उनकी फीस भी बहुत थी। दरअसल, जो भी स्टूडेंट दुनिया के अच्छे कॉलेजों में दाखिला लेना चाहते हैं, उन्हें दमदार एलओपी जमा करना होता है, उसके आधार पर कॉलेज एडमिशन तय करता है। पर 2025 में वो बेरोजगार हो गईं! कल रात एक डिनर पर मेरी उनसे मुलाकात हुई और उन्होंने इस बारे में बताया। जब मैंने आश्चर्य व्यक्त किया, तो उन्होंने फीकी हंसी में कहा, 'ओपनआई के चैटजीपीटी ने मेरी नौकरी छीन ली है। साल 2022 के नवंबर से इसने धीरे-धीरे मेरी नौकरी छीनना शुरू कर दिया, लेकिन मैंने तब इस पर ध्यान नहीं दिया। और अब 2025 में, मेरे पास छात्र नहीं आ रहे। अब केवल वही छात्र आते हैं, जिन्हें कॉलेजों ने खारिज कर दिया है और मुझे उन्हीं स्टूडेंट्स को किसी अन्य यूनिवर्सिटी में दाखिला दिलाने के लिए दोगुनी मेहनत करके प्रशिक्षित करना पड़ रहा है।' उनके साथ हुई बातचीत ने मुझे कई कॉलेज के प्रोफेसरों के साथ हुई चर्चाएं याद दिला दी। उन प्रोफेसर्स ने ये माना कि तकनीक से छेड़खानी के मामले में उम्रदराज प्रोफेसर छात्रों से एक कदम पीछे रहते हैं। उनका कहना है कि 'निबंध लेखन, होमवर्क, प्रोजेक्ट रिपोर्ट और पीपीटी में भी चीटिंग का पता लगाना मुश्किल होता है।' यहां तक कि छात्रों के आर्टफिशियल तरीके से तैयार कंटेंट को टूल्स का इस्तेमाल करके भी पहचानना मुश्किल हो रहा है। प्रोफेसर्स दुखी होकर कहते हैं, जब स्टूडेंट्स अपना मुंह खोलते हैं और अंग्रेजी में बात करते हैं, जो कि पहले ही वह अपने प्रोजेक्ट में लिख चुके हैं, तब जाकर हमें पता चलता है कि प्रोजेक्ट में इस्तेमाल कंटेंट टेक्नोलॉजी की मदद से कॉपी किया गया है। इस बीच`ूल्ह.म्दस् के एक सर्वे से पता चला है कि 89इ कॉलेज छात्र असाइनमेंट पूरा करने के लिए चैटजीपीटी का उपयोग कर रहे हैं। इस तकनीक का उपयोग करने वाले छात्रों की इतनी बड़ी संख्या के बावजूद, उनमें से 72फीसदी कहते हैं कि वे नकल पर आधारित शिक्षा नहीं चाहते। वे चाहते हैं कि चैटजीपीटी को कैंपस में बैन किया जाए। तो, क्या किया जा सकता है? कई विशेषज्ञों ने कई सुझाव दिए हैं, लेकिन शीर्ष पांच बिंदु हैं: 1. उन शैक्षणिक तरीकों की ओर लौटें, जो सदियों से शिक्षकों का साथ देते आ रहे हैं। 2. विश्वविद्यालयों को मूल्यांकन के लिए व्यक्तिगत दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। 3. प्रोफेसर्स को कक्षाओं में बातचीत का कल्चर फिर खड़ा करना होगा। उच्च शिक्षा के लिए मौखिक संचार हमेशा से अच्छा मॉडल रहा है। अलग-अलग स्ट्रीम के स्टूडेंट्स के बीच डिस्कशन होगा, तो तार्किक परिचर्चाएं विश्वविद्यालय शिक्षा के केंद्र में होंगी। 4. छात्रों को प्रश्न पूछने-आइडिया शेयर करने दें, इससे कक्षाएं सार्थक होंगी। 5. उन्हें सिखाएं कि पैसे कैसे कमा सकते हैं। कुछ लोग इस पर आपत्ति कर सकते हैं। पर बता दूं कि जब क्रिकेटर आठ अंकों में कमाता है, तो केवल कक्षा का सैद्धांतिक ज्ञान उन्हें पीछे छोड़ देता है। इसलिए शुद्ध ज्ञान से नैतिक रूप से पैसे कमाने को प्रोत्साहित करें। फंडा यह है कि जो छात्र बिना किताबें पढ़े क्विज में टॉप करता है, उसने कुछ नहीं सीखा होता। तकनीक पर निर्भर छात्र न केवल ज्ञान हासिल करने में विफल होते हैं, बल्कि रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच की क्षमताओं का भी विकास नहीं कर पाते। छात्रो, ये आपका चुनाव है कि आपका मार्गदर्शक कौन होगा- प्रोफेसर या तकनीक? इस पर विचार करें।

किसी पर रहम, किसी को सजा- ये कैसा 'तंत्र' है!

कुछ सप्ताह पहले मैंने 'माय नेम इज रहीम खान' शीर्षक से एक वीडियो-ब्लॉग प्रसारित किया था, जिसमें बताया गया था कि आज एक भारतीय मुसलमान होने का क्या मतलब है। इसके बाद तत्काल ही मैं दक्षिणपंथियों

के निशाने पर आ गया। मुझ पर आरोप लगाया गया कि बढ़ते इस्लामिक चरमपंथ की समस्या से बचने के? लिए मुस्लिम-विक्टिमहुड का झूठा चित्रण कर रहा हूं। लेकिन आज सोचने पर लगता है कि शायद मेरे उस ब्लॉग का शीर्षक 'माय नेम इज अली खान महमूदाबाद' होना चाहिए था। फेसबुक पर टिप्पणी के लिए अशोका यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी बताती है कि हमारे राजनीतिक-तंत्र में क्या गलत है, जो भारतीय मुसलमानों को हाशिए पर धकेल रहा है। उनका अपराध यह था कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर अपने विचार व्यक्त किए थे। उन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दक्षिणपंथी टिप्पणीकारों के पाखंड पर सवाल उठाया था। उन्होंने लिखा था कि मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई कि बहुत से दक्षिणपंथी टिप्पणीकार कर्नल कुरैशी की तारीफ कर रहे हैं, लेकिन शायद उन्हें इतने ही पुरजोर तरीके से यह मांग भी करनी चाहिए कि मॉब लिंचिंग, बुलडोजर और नफरत फैलाने वाली राजनीति के शिकार होने वाले दूसरे लोगों को भी भारतीय नागरिकों की भांति सुरक्षा मिले।

ऐसा लिखकर अली खान यह बताना चाह रहे थे कि कर्नल कुरैशी को धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक बताने और धरातल पर भारतीय मुसलमानों के खिलाफ बढ़ते भेदभाव के बीच कितना अंतर है। क्या इस टिप्पणी को भारत की स्वायत्तता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाली बातों के तौर पर देखा जा सकता है? या क्या इसे किसी महिला की गरिमा का अपमान करने वाला कृत्य कहा जा सकता है? सरकार की आलोचना कब से इस हद तक एक अपराध हो गई कि भाजपा युवा मोर्चा के एक कार्यकर्ता सरपंच की शिकायत पर तत्काल गिरफ्तारी हो जाए या हरियाणा महिला आयोग नोटिस भेज दे? महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया से जब एक टीवी इंटरव्यू में यह पूछा गया कि अली खान ने किसी महिला की गरिमा का हनन कैसे किया है तो उनके पास इसका कोई तार्किक स्पष्टीकरण नहीं था। यह साफ है कि अन्य 'सरकारी' संस्थानों की तरह महिला आयोग ने भी आधिकारिक निर्देशों पर जल्दबाजी में नोटिस भेज दिया था। इसमें दिल्ली पुलिस भी शामिल थी।

इस मामले ने कई परेशान करने वाले सवाल खड़े किए हैं। जैसे कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश के लिए सत्ता का दुरुपयोग। यह इस तरह का इकलौता मामला नहीं है। चाहे किसी भी दल की सरकार हो, वह असहमति के स्वरों को दबाने के लिए इसी तरह से अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करती है। याद करें कि कैसे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के बारे में सोशल मीडिया पर कथित रूप से एक अपमानजनक पोस्ट शेयर करने पर मराठी अभिनेत्री केतकी चिताले को 2022 में गिरफ्तारी का सामना करना पड़ा था। और कैसे द्रमुक सरकार ने तब चुप्पी साध ली थी, जब एक 'समूह' ने सत्ताधारी पार्टी के मुखर आलोचक और यूट्यूबर सुवुक्कू शंकर के घर में गंदगी फेंक दी थी। और कैसे कोलकाता के एक प्रोफेसर पर ममता बनर्जी का कार्टून फॉरवर्ड करने के आरोप लगाए गए थे और उन्हें गिरफ्तारी के 11 साल बाद जाकर रिहा किया गया था।एक मायने से भारतीय राजनीतिक तंत्र ने युगांडा के तानाशाह ईदी अमीन के इस कथन को अपना लिया है कि 'बोलने की आजादी तो है, लेकिन बोलने के बाद आजादी की गारंटी नहीं है!' हालात ऐसे बन गए हैं कि कौन कानून के दायरे में आएगा और कौन नहीं, यह भी आज पूरी तरह से सत्ता-कुलीनों की निजी धारणाओं के अधीन हो गया है।

एआई आज भी आर्टिफिशियल ही है! इसलिए रियल इंटेलिजेंस की जरूरत है

मैं दो लोगों को जानता हूं- एक जिन्होंने इस मार्च में एआई की मदद से यूरोप और यूएस की पूरी ट्रिप प्लान की। दूसरी उनकी बेटी, जिसने हाल ही में 12वीं की परीक्षा दी और एआई की मदद से ही कॉलेज एडमिशन की योजना बनाई। जाहिर है, अलग-अलग विकल्प देने के मामले में यह टेक्नोलॉजी किसी भी ट्रैवल एजेंट या काउंसलर से ज्यादा तेज थी। इतनी तेजी से और इतने ज्यादा विकल्प देख कर दोनों इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने एआई के अंतिम सुझावों को ही मानने का निर्णय कर लिया। कोर्स और कॉलेजों का चयन कर दोनों ट्रिप पर निकल गए और उन्हें पहला झटका तब लगा, जब वर्ल्ड ट्रेड सेंटर स्टेशन पर उनकी ट्रेन मिस हो गई। डब्ल्यूटीसी स्टेशन असल में एक ट्रांसपोर्टेशन हब है, जहां से न्यू जर्सी और मैसाचुसेट्स जैसे राज्यों के लिए सीधी ट्रेनें मिलती हैं। इन्हें पाथ ट्रेनें कहते हैं। बेटी ने अपने टिकट्स दोबारा चेक नहीं किए थे, इसलिए न सिर्फ उसकी ट्रेन छूटी, बल्कि उसका कनेक्टिंग स्टेशन भी अलग था। एआई ट्रैवल प्लानिंग को लेकर चौतरफा शोर के बीच वह चाहती थी कि अपनी पूरी ट्रिप के लिए एआई के अलावा कहीं और रिसर्च न करे।उसकी सबसे बड़ी गलती यह थी कि उसने यह प्रयोग ऐसी जगह के लिए किया, जहां वो

पहले कभी नहीं गई। ट्रेन छूटने के बाद जब उसने मुझे स्टेशन से कॉल किया तो मुझे समझ आया कि वो गलत जगह पर खड़ी थी। इससे पहले, उसने होटल भी पैदल जाने का फैसला किया, क्योंकि एआई ने बताया कि टैक्सी महंगी पड़ेगी और होटल सिर्फ 600 मीटर के वॉकिंग डिस्टेंट पर है। लेकिन एआई को यह नहीं पता था कि उस दिन भारी बारिश होने वाली है और भारतीय महज दो सूटकेस ही नहीं, हैंडबैग और लैपटॉप भी साथ रखते हैं। तेज बारिश में सामान लेकर चलते हुए दोनों बुरी तरह भीग गए, जिससे अगले दो दिन उन्हें बुखार रहा और साइटसीइंग के लिए समय ही नहीं मिला। तब जाकर उन्हें एहसास हुआ कि बेटी के एआई-संचालित कॉलेज एडमिशन काउंसलर की सलाह भी यूएस में कॉलेज चुनने में गलत हो सकती है। फिर उन्होंने पैसे खर्च करके इंसानी सलाह लेने का निर्णय किया। कॉलेज में प्रवेश के इच्छुक छात्रों को बेहतर गाइडेंस तब मिलती है, जब उसमें इंसान शामिल होता है। क्योंकि काउंसलर बॉट्स की जानकारी को फिल्टर कर छात्रों को सलाह देता है। खासकर, जब उन्हें आवेदन भरने के लिए स्पष्टता की जरूरत होती है। स्कूलों में एआई के इस्तेमाल के समर्थक रह चुके मैसाचुसेट्स स्कूल काउंसलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अली रोबिडॉक्स भी मानते हैं कि छात्रों पर काउंसलर्स का जो प्रभाव होता है, टेक्नोलॉजी उसकी बराबरी नहीं करती। ऐसा इसलिए, क्योंकि इंसान जानता है कि उनकी निजी जीवन की बारीकियों को कैसे समझा जाए। जबकि चैटबॉट सिर्फ छात्रों के अंक औसत देखता है और उन्हें उस देश में ज्यादा कॉम्पीटिटिव कॉलेजों में आवेदन करने के प्रति हतोत्साहित कर सकता है। चैटबॉट्स ऐसे छात्रों की क्षमताओं का आकलन नहीं कर सकते, जो संभवतः घर में किसी के निधन के कारण कुछ अंकों से चूक गए हों। एक काउंसलर के अनुसार 'चूंकि एआई आपको तो जानते नहीं हैं, इसलिए वो सिर्फ आपको वही बताते हैं, जो पब्लिक डोमेन में है।' चैटबॉट्स को बनाने वाली कंपनियां भी इससे सहमत हैं कि ग्रेजुएशन के लिए सही कॉलेज चुनने की प्रक्रिया में विद्यार्थियों को वयस्कों की सलाह जरूरी होती है। हाई स्कूल छात्रों को कॉलेज जाने में मदद के लिए एआई का इस्तेमाल करने वाले प्लेटफॉर्म 'मेनस्टे' के फाउंडर एंड्रयू मैग्लियोज्जी कहते हैं कि 'इस प्रक्रिया में इंसानों का शामिल होना बहुत जरूरी है। क्योंकि एआई अभी भी विकसित हो रहा है।' फंडा यह है कि हम स्पीड और ऑथेंटिसिटी के बीच फंसकर सोचने लगते हैं कि एआई हमसे बेहतर है। फिलहाल एआई के इस्तेमाल का सबसे सही तरीका यही है कि उसकी स्पीड का फायदा लें और फिर अनुभवी इंसानों से कहें कि वह इस जानकारी का विश्लेषण अपनी बुद्धि से करें। एन. रघुरामन

सीजफायर के लिए कैसे राजी हुए ट्रम्प, भारत के लिए कितना प्रभाव रखता हैं ये समीकरण

वॉशिंगटन डीसी। 7 अप्रैल की रात। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ऐलान किया- आज रात ईरान की पूरी सभ्यता तबाह हो जाएगी, जो फिर कभी वापस नहीं आ सकेगी। दुनिया सांस रोककर बैठी थी। इस दौरान इस्लामाबाद के डिप्लोमैटिक गलियारों में हलचल थी। दो

शख्स लगातार फोन पर लगे थे- पीएम शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर। कुछ घंटे बाद 8 अप्रैल की सुबह 4 बजे ट्रम्प ने लिखा- सीजफायर। ईरान भी इसके लिए राजी हो गया। विषय को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से-सवाल-1: अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर कब हुआ, इसकी शर्तें क्या हैं? जवाब: 40 दिन से जारी अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग में 14 दिन की रोक लग गई है. भारतीय समय के मुताबिक, 8 अप्रैल की सुबह 4 बजे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऐलान किया कि पाकिस्तान पीएम शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से बातचीत के बाद अमेरिका सीजफायर के लिए राजी हो गया है। ट्रम्प ने लिखा- मैं होर्मुज स्ट्रेट को फौरन खोलने की शर्त पर ईरान की रजामंदी के बाद अगले 14 दिन तक बमबारी रोकने के लिए तैयार हूं। इसके 40 मिनट बाद ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने भी कन्फर्म किया कि दोनों देशों के बीच सीजफायर हो गया है और बातचीत जारी है। ईरान के सरकारी न्यूज चौनल आईआरआईबी के मुताबिक, ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने सभी मिलिट्री यूनिट्स को फायरिंग रोकने का आदेश दिया है। ये आदेश सीजफायर के ऐलान के करीब 2 घंटे बाद आया है। सीजफायर के बाद ट्रम्प ने बयान दिया, 'ईरान ने अमेरिका को 10 पाइंट का प्रस्ताव भेजा। यह काफी नहीं है, लेकिन उन्होंने बहुत अहम कदम उठाया है। देखते हैं, आगे क्या होता है।' वहीं ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल का दावा है कि अमेरिका ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। काउंसिल इसे जीत बता रही है। अमेरिका को भेजे गए ईरान के प्रस्ताव में 10 शर्तें हैं-दुश्मनी खत्म और हमले बंद हो: अमेरिका और इजराइल न केवल मौजूदा बमबारी रोकें, बल्कि भविष्य में कोई 'प्रिवेंटिव स्ट्राइक' करने की लिखित गारंटी दें। आर्थिक नाकेबंदी खत्म हो: सभी परमाणु और आर्थिक प्रतिबंधों को हटाया जाए, ताकि ईरान फिर वैश्विक तेल बाजार में लौट सके। जब्त संपत्ति की तत्काल वापसी: अमेरिका और उसके सहयोगी देशों द्वारा फ्रीज किए गए करीब 100 बिलियन डॉलर के फंड ईरान को मिले। इसमें तेल का बकाया पैसा भी है। स्थायी शांति की व्यवस्था: यह 14 दिन का सीजफायर एक ऑफिशियल समझौता में बदलना चाहिए, जो मिडिल-ईस्ट में युद्ध को हमेशा के लिए खत्म कर दे। अमेरिका सेना की वापसी: खाड़ी देशों और इराक से अमेरिकी सैन्य ठिकानों को समेटा जाए और क्षेत्रीय सुरक्षा की जिम्मेदारी स्थानीय देशों को दी जाए। युद्ध का हर्जाना मिले: हमलों से हुए नुकसान की भरपाई के लिए अमेरिका हर्जाना दे या इंफ्रास्ट्रक्चर को ठीक करने की व्यवस्था करे। हॉर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण: ईरान हॉर्मुज स्ट्रेट पर अपना कानूनी और

सुरक्षा कंट्रोल बनाए रखना चाहता है। वह इसे अपनी 'समुद्री सीमा' का हिस्सा मानता है। शर्त के साथ समुद्री आवाजाही: ईरान जहाजों को रास्ता देने को तैयार है, लेकिन इसके लिए एक ईरानी सेना से कोऑर्डिनेशन करना होगा। हर जहाज को डेटा साझा करना होगा। ईरान-ओमान को टोल मिले: हॉर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले हर शिप को ईरान और ओमान को समुद्री टोल देना होगा। हर शिप से 20 लाख डॉलर, यानी 19 करोड़ रुपए वसूल सकते हैं। इलाके में तनाव कम करें: इजराइल को लेबनान में हिजबुल्लाह, यमन में हुती और सीरिया के खिलाफ ऑपरेशन बंद करने होंगे, ताकि इलाके में तनाव कम हो।

सवाल-2: क्या इजराइल भी सीजफायर के लिए राजी है? जवाब: ट्रम्प ने सीजफायर की घोषणा से ठीक पहले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की थी। घोषणा के बाद इजराइल ने भी इस सीजफायर का समर्थन किया है, लेकिन कुछ शर्तों के साथ। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यालय ने बयान में कहा कि यह सीजफायर तभी संभव होगा जब- होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत फिर से खोल दिया जाए। ईरान अमेरिका, इजराइल और क्षेत्र के अन्य देशों पर अपने हमले बंद कर दे।हालांकि, बयान में यह भी साफ किया गया कि यह सीजफायर लेबनान पर लागू नहीं होगा। जबकि इस सीजफायर की मध्यस्थता करने वाले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपनी पोस्ट में साफ कहा था कि सीजफायर में लेबनान भी शामिल है। सवाल-3: आखिर कैसे हुआ सीजफायर, इसमें पाकिस्तान ने क्या किया? जवाब: सीजफायर की बैक स्टोरी समझिए-6 अप्रैल को ट्रम्प ने ईरान को चेताया था कि अगर अगले 48 घंटे में होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोला और समझौता नहीं किया तो भारी बमबारी करेंगे। 7 अप्रैल की शाम फिर से ट्रम्प ने ईरान को धमकी दी कि आज रात ईरान की पूरी सभ्यता को तबाह कर देंगे, जो फिर कभी वापस नहीं आ सकेगी। जब हमला तय लग रहा था, तब पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर एक्टिव हुए। शरीफ और मुनीर ने वॉशिंगटन डीसी और तेहरान से लगातार फोन पर बातचीत की। अपील की- 2 हफ्ते के लिए हमले रोक दें ताकि डिप्लोमैटिक चैनलों के जरिए बातचीत हो सके। इस दौरान ईरान होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों को रास्ता दे। चीन ने भी ईरान पर तनाव करने के लिए कहा गया। कहा जा रहा है कि बीजिंग ने तेहरान पर दबाव डाला कि वो हमले रोककर बातचीत में शामिल हो। आखिरी वक्त में बीजिंग

के दखल से ईरान हमले रोककर बातचीत के लिए तैयार हो गया। वहीं अमेरिका भी राजी हो गया। पाकिस्तान ने क्यों दखल दिया? अगर अमेरिका ईरान पर बड़ा हमला करता तो पाकिस्तान पर भी मार पड़ती। दरअसल, पाकिस्तान-ईरान पड़ोसी हैं। पाकिस्तान को ईरानी शरणार्थियों का बोझ झेलना पड़ता। कमजोर माली हालत वाला पाकिस्तान हमले से पैदा होने वाले आर्थिक संकट को नहीं झेल सकता था। जंग के कारण पाकिस्तान में डीजल के दाम 500 पाकिस्तानी रुपए के पार हो गए हैं।हालात ऐसे हैं कि स्कूल बंद करने पड़ रहे हैं। कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम के लिए कहा गया है। दुकानों को रात 8 बजे तक बंद करने के लिए कहा गया। अगर जंग बढ़ती तो पाकिस्तान की हालत बदतर हो जाती। इसके अलावा अगर ईरान पर हमला होता तो ईरान भी जवाबी कार्रवाई करता, जिसके निशाने पर सऊदी अरब, यूएई, कतर जैसे देश भी होते। खास बात ये है कि अगर सऊदी पर बड़े हमले होते तो पाकिस्तान को भी जंग में शामिल होना पड़ता, क्योंकि उसने सऊदी के साथ एक डिफेंस पैक्ट साइन किया है। हालांकि पाकिस्तान ऐसा करने से बचता, जैसा उसने पहले भी किया है। सवाल-4: अगर 14 दिन बाद बात नहीं बनी, तो क्या फिर हमले होंगे? जवाब: सीजफायर और डिप्लोमैटिक बातचीत को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान मध्यस्थता कर

रहा है। 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में एक हाई लेवल मीटिंग की तैयारी हो रही है, जिसमें अमेरिका और ईरान के शीर्ष अधिकारी शामिल हो सकते हैं। यहीं से कोशिश की जाएगी कि सीजफायर के बाद समझौता हो सके और क्षेत्र में शांति बने। हालांकि ट्रम्प ने कहा है कि अगर वे (ईरान) समझौता नहीं करते हैं, तो उनके पास न तो पुल होंगे और न ही पावर प्लांट। जबकि ईरान ने भी साफ किया है कि युद्ध खत्म नहीं हुआ, ये सिर्फ विराम है। इजराइल की बात करें तो सीजफायर में वो ज्यादा दिलचस्प नहीं दिख रहा। क्योंकि पाक पीएम शरीफ की सीजफायर पोस्ट में लेबनान में भी हमले रोकने की बात लिखी थी, लेकिन इजराइली पीएम नेतन्याहू की पोस्ट में

बताया गया है कि लेबनान इससे बाहर है। ऐसे में अगर अमेरिका और ईरान के बीच सबकुछ ठीक नहीं हुआ तो इजराइल पहले से और ज्यादा आक्रामक हो सकता है। वहीं अगर बातचीत में ठीक-ठाक प्रोग्रेस हुई तो सीजफायर आगे के लिए भी बढ़ाया जा सकता है।सवाल-5: भारत को इस सीजफायर से क्या नफा-नुकसान? जवाब: भारत ने खुद को इस युद्ध में तटस्थ रखा। पीएम मोदी ने खाड़ी देशों के नेताओं से बात की और शांति की अपील की, लेकिन ईरान या अमेरिका-इजराइल का नाम लेकर कोई सीधी आलोचना नहीं की। इस सीजफायर से भारत पर मिले-जुले असर पड़ेंगे। पहले पॉजिटिव असर की बात-भारत अपना करीब 85फीसदी कच्चा तेल आयात करता है और उसका बड़ा हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से होकर आता है।इस रास्ते में थोड़ी भी रुकावट आते ही शिपिंग लागत, बीमा प्रीमियम और तेल की कीमतें चढ़ जाती हैं, जिसका सीधा असर महंगाई और रुपये पर पड़ता है।जब से यह युद्ध शुरू हुआ, भारत में पेट्रोलियम महंगा हो रहा था, रुपया गिर रहा था और आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ रहा था। सीजफायर के ऐलान के साथ ही तेल की कीमतें लगभग 16फीसदी गिर गईं और शेयर बाजार में तेजी आई। युद्ध के दौरान कच्चे तेल की कीमत 115 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। अब कीमतें नीचे आएंगी तो पेट्रोल-डीजल पर राहत मिल सकती है, महंगाई काबू में आएगी, रुपया संभलेगा। खाड़ी देशों में काम करने वाले लाखों भारतीयों का घर भेजा जाने वाला पैसा, यानी रेमिटेंस भी अब ज्यादा सुरक्षित रहेगा। अब भारत के लिए चिंता की बात- अमेरिका-ईरान के बीच पाकिस्तान मध्यस्थता कर रहा है। कई एक्सपर्ट्स मानते हैं कि ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान का प्राइमरी बैकचैनल के रूप में उभरना भारत के लिए एक कड़ा कूटनीतिक झटका है। भारत ने ईरान में चाबहार पोर्ट पर अरबों रुपए लगाए, ताकि पाकिस्तान को बायपास कर मध्य एशिया तक पहुंचा जाए। लेकिन अब जब पाकिस्तान ही तेहरान और वॉशिंगटन के बीच शांतिदूत बन गया, तो भारत की यह पूरी रणनीति बेअसर दिखने लगी है। रणनीतिक मामलों के जानकार रिचर्ड एम. रोसो लिखते हैं, 'ट्रंप प्रशासन के पाकिस्तान के साथ इन अजीब रिश्तों ने भारत की अमेरिका पर भरोसे की वर्षों पुरानी चिंताओं को फिर से हवा दे दी है।' फॉरेन पॉलिसी में छपे एक एनालिसिस में कहा गया है कि, 'भारत के लिए यह हजम करना मुश्किल है कि वह अमेरिका के लिए उतना जरूरी नहीं है जितना वह समझता था। ट्रम्प तत्काल जरूरतों के आधार पर अपनी प्राथमिकताएं बदलने में नहीं हिचकते। अगर मुनीर ईरान से डील करा सकते हैं, तो ट्रम्प उन्हें इनाम देने से नहीं चूकेंगे।' हालांकि ट्रम्प जैसे लेनदेन वाले नेता के दरबार में 'पसंदीदा मध्यस्थ' और 'बेकार मोहरे' के बीच का फासला बेहद कम होता है। अगर यह मध्यस्थता नाकाम हुई, तो मुनीर और शरीफ ही खलनायक कहलाएंगे।

केरलम में टफ फाइट,कांग्रेस + को 70-80 सीटों के आसार

लेफ्ट को मिल सकती हैं 60 से 70 सीटें, बीजेपी 3 से 5 सीटों पर आगे

तिरुवनंतपुरम। केरलम में 9 अप्रैल को 140 सीटों पर वोटिंग है। यहां एलडीएफ और यूडीएफ के बीच नेक टू नेक फाइट है।

यूडीएफ को 70 से 80 और एलडीएफ को 60 से 70 सीटें मिल सकती हैं। बीजेपी को 3 से 5 सीटें मिलने के आसार हैं। केरलम में वोटिंग से पहले दैनिक भास्कर ने लोगों, एक्सपर्ट और पॉलिटिकल पार्टियों से बात कर हवा का रूख जाना। ये 4 बातें समझ आईं-1. पिनराई विजयन 10 साल से सीएम हैं। उनके खिलाफ एंटी-इनकम्बेंसी है।2. सीपीएम में सीएम विजयन के बाद सेकेंड लाइन लीडरशिप की कमी है। कई लीडर बीजेपी - कांग्रेस में शामिल हो गए। कैडर नाराज है। पार्टी लीडर्स का मानना है कि अगर मंत्री रहीं केके शैलजा को कमान मिलती, तो सत्ता में वापसी मुमकिन थी। 3. कांग्रेस सीएम फेस पर खींचतान में फंसी रही। पार्टी राहुल गांधी के नाम पर चुनाव लड़ रही है और क्रिश्चियन-मुस्लिम के सहारे है। सबरीमाला मुद्दे पर भी सरकार को घेरकर हिंदू वोट बैंक में सेंध लगा रही है।4. बीजेपी लोकल बॉडी इलेक्शन में जीत के बाद भी 20 से 25 सीटों पर ही फाइट दे रही है। वोट शेयर बढ़ने और सिंगल डिजिट में सीट आने से ज्यादा की उम्मीद नहीं है। तिरुवनंतपुरम, पलक्कड़, कासरगोड और त्रिशूर में पार्टी जीत सकती है। लोग बोले- सीएम से खुश नहीं, उन्होंने सिर्फ केंद्र सरकार की स्कीम के नाम बदले- कोच्चि में एक चर्च के बाहर मिले जैकब कहते हैं, 'लोग विजयन सरकार से खुश नहीं हैं, लेकिन कांग्रेस इसका ज्यादा फायदा नहीं उठा पाई। वे आपस में लड़ते रहे।' एर्नाकुलम के श्रीजेत कहते हैं 'विजयन ने सिर्फ मोदी की स्कीम्स के नाम बदले हैं और कुछ नहीं किया। यहां हाईवे भी केंद्र सरकार ने बनवाए हैं।' 46 लाख कुडुंबश्री एलडीएफ की सबसे बड़ी ताकत- 50 साल की सुनिता तिरुवनंतपुरम में कैंटीन चलाती हैं। वे सरकार की योजना कुडुंबश्री से जुड़ी हैं। इस योजना में राज्य की 46 लाख महिलाएं शामिल हैं और विजयन सरकार की सबसे बड़ी ताकत हैं। सुनिता कहती हैं, 'इस बार बीजेपी अच्छी फाइट में है। तिरुवनंतपुरम में तीन सीटों पर मजबूत है। हालांकि, कुडुंबश्री की महिलाएं एलडीएफ को ही वोट देंगी।' तिरुवनंतपुरम के सीनियर जर्नलिस्ट अजय कुमार बताते हैं कि कुडुंबश्री की शुरुआत के बाद ज्यादातर एलडीएफ की सरकार रही है। उसने समय-समय पर फंड भी बढ़ाया है। ऐसे में कुडुंबश्री का बड़ा तबका एलडीएफ और विजयन सरकार को ही वोट करेगा। ये उनके लिए फायदे का मिशन है। सीनियर जर्नलिस्ट बृजेश कुमार कहते हैं, 'केरलम में किसे-कितनी सीटें मिलेगी, अभी कहना मुश्किल है। यहां वोटर्स आखिरी वक्त में तय करते हैं। यूडीएफ और एलडीएफ के बीच टफ फाइट है। एलडीएफ तीसरी बार सत्ता में लौट सकती है। वायनाड की सीनियर जर्नलिस्ट नीनू मोहन का कहना है, 'केरल में पॉलिटिक्स बहुत अलग है। आखिरी 24 घंटे में पिक्चर बदल जाती है। 2021 में यही हुआ था। तब भी यूडीएफ की सरकार बन रही थी, इस बार भी हालात कुछ वैसे ही हैं।' तिरुवंतपुरम में केरल यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस चांसलर प्रो. जय प्रसाद कहते हैं, 'बीजेपी के लिए ये चुनाव टेस्ट केस होगा। हर सीट पर 25 से 35फीसदी मुस्लिम वोट उसके लिए चैलेंज हैं। इस बार बीजेपी को 22 से 25फीसदी वोट शेयर मिलने की उम्मीद है। सीपीएम के 90 से 95फीसदी कार्यकर्ता हिंदू हैं। उसे लगता है कि आरएसएस और बीजेपी उसके वोट छीन रही है। क्रिश्चियन कम्युनिटी करीब 18 से 20फीसदी है। इनमें बीजेपी का सपोर्ट बढ़ा है।' सीनियर जर्नलिस्ट कैलाश बताते हैं, 'बीजेपी का वोट शेयर नेचुरली बढ़ रहा है। अभी 20फीसदी है। पार्टी को सरकार बनाने में कम से कम 10 साल और लगेंगे, लेकिन ये क्रिश्चियन वोट के बिना संभव नहीं है।'

5 घंटे तालाब में छिपा रहा 400 चोरियों को अंजाम देने वाला,कमल की डंठल से लेता रहा सांस,एसी कोच से महिला का पर्स खींचकर भागा था

जबलपुर। जबलपुर में पुलिस और एक शातिर अंतरराज्यीय

चोर के बीच मंगलवार शाम फिल्मी ड्रामा देखने को मिला। पुलिस को चकमा देने के लिए आरोपी खितौला रेलवे स्टेशन के पास एक काई से भरे तालाब में कूद गया। वह करीब 5 घंटे तक पानी के अंदर छिपा रहा। चौंकाने वाली बात यह है कि वह सांस लेने के लिए कमल की डंठल (कमल-नाल) का सहारा लेता रहा। आखिरकार गोताखोरों की मदद से उसे दबोच लिया गया। घटना रीवा-इतवारी एक्सप्रेस ट्रेन की है। एसी कोच में एक महिला का पर्स चोरी करने की कोशिश के दौरान आरोपी आरपीएफ की नजर में आ गया। जैसे ही ट्रेन सिहोरा रोड रेलवे स्टेशन के पास धीमी हुई, आरोपी कूदकर भागने लगा। आरपीएफ जवानों ने पीछा किया तो वह खितौला के एक गहरे और काई से भरे तालाब में जा कूदा। रात के अंधेरे और घनी शैवाल के कारण वह पुलिस की आंखों से ओझल हो गया। खितौला थाना पुलिस और गोताखोरों की टीम ने जब रेस्क्यू शुरू किया तो पाया कि आरोपी पानी की सतह पर नहीं है। शातिर चोर ने खुद को पूरी तरह पानी में डुबो लिया था। केवल एक पाइपनुमा कमल-नाल के जरिए बाहर से ऑक्सीजन ले रहा था। करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद गोताखोरों ने उसे काई के बीच से ढूंढ़ निकाला। गिरफ्तारी के बाद आरोपी लगातार पुलिस को गुमराह करता रहा। उसने अपना नाम बबलू और पता चंडीगढ़ बताया, लेकिन आरपीएफ थाना प्रभारी राजीव खरब को कुछ शक हुआ। उन्हें याद आया कि 2018 में उन्होंने एक वॉन्टेड चोर का फोटो मोबाइल फोन में सेव किया था। जैसे ही उन्होंने आरोपी को उसके पुराने नाम सनी से पुकारा। आरोपी सन्न रह गया और अपनी असलियत उगल दी। जांच में जो खुलासा हुआ उसने पुलिस को भी हैरान कर दिया। आरोपी का असली नाम हरविंदर सिंह है। उसकी उम्र 32 साल है। वह यूपी के बिजनौर का रहने वाला है। वह अब तक देशभर में 400 से ज्यादा चोरियां कर चुका है। वह 2017 में बिजनौर के हल्दौर नगर निकाय से निर्दलीय पार्षद भी रह चुका है।

2018 में आरोपी के पास से 70 लाख के हीरे-जवाहरात मिले थे। उसने अवंतिका एक्सप्रेस ट्रेन से एक यात्री की लाइसेंसी पिस्तौल और कैश भी चोरी किया था। वह हमेशा एसी कोच को निशाना बनाता था। टीसी से बचने के लिए बाथरूम में छिप जाता। बिना टिकट सफर करता था। हरविंदर के खिलाफ मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, और मुंबई समेत कई राज्यों में केस दर्ज हैं। वह हर वारदात के बाद सिम बदल लेता था। कभी कोई पहचान-पत्र साथ नहीं रखता था। फिलहाल, जबलपुर पुलिस और आरपीएफ उससे अन्य वारदातों के सिलसिले में पूछताछ कर रही है।

ईरान की इजरायल को खुली चेतावनी,'लेबनान में हमले न रुके, तो कुछ ही घंटों में तेल अवीव पर गिराएंगे बम'

तेहरान। अमेरिका के साथ संघर्ष विराम के बीच ईरान ने इजरायल को कड़ी चेतावनी दी है। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने कहा है कि अगर

दक्षिण लेबनान पर इजरायली हमले जारी रहते हैं, तो वह तेल अवीव पर हमला कर सकता है। यह चेतावनी ऐसे समय आई है, जब यह चर्चा की जा रही है कि क्या अमेरिका-ईरान संघर्ष विराम में लेबनान शामिल है या नहीं। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरानी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने कहा, 'कुछ ही घंटों के भीतर, अगर दक्षिणी लेबनान में गोलीबारी नहीं रुकी, तो हमारी हवाई और मिसाइल यूनिट तेल अवीव पर बमबारी करेगी।' ईरान-अमेरिका में संघर्ष विराम के ऐलान के तुरंत बात हिजबुल्लाह ने बुधवार तड़के इजरायल और लेबनान में मौजूद इजरायली सैनिकों पर गोलीबारी रोक दी है। हिजबुल्लाह का कहना है कि उसने यह कदम अमेरिका-ईरान संघर्ष विराम के हिस्से के तौर पर उठाया है। हालांकि, इजरायल ने इस संघर्ष विराम में लेबनान के शामिल होने से इनकार किया है। इजरायल ने कहा है कि हिजबुल्लाह के खिलाफ उसकी कार्रवाइयां जारी रहेंगी, जिसमें इस समूह के सैन्य अड्डों पर हमला शामिल है। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच 2 मार्च को फिर से लड़ाई शुरू हुई थी। ईरान-अमेरिका संघर्षविराम में मध्यस्थ की भूमिका निभाने का दावा करने वाले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि दो हफ्ते के इस संघर्ष विराम में लेबनान भी शामिल होगा। पहले भी ऐसी रिपोर्ट्स आई थी कि ईरान ने अमेरिका के साथ किसी भी संभावित संघर्ष विराम में लेबनान को शामिल करने की इच्छा जताई थी। हिजबुल्लाह को ईरान का प्रॉक्सी मिलिशिया कहा जाता है, तो दूसरे छोर से इजरायल के खिलाफ सैन्य अभियान का नेतृत्व करता है।हिजबुल्लाह कौन है? हिजबुल्लाह लेबनान का एक शक्तिशाली शिया मुस्लिम राजनीतिक और सैन्य संगठन है, जिसे कई देशों ने आतंकवादी समूह घोषित किया हुआ है। हिजबुल्लाह का गठन 1980 के दशक में इजरायल के खिलाफ किया गया था। इसे ईरान का समर्थन प्राप्त है, जो इसकी नीतियों को तय करता है। हिजबुल्लाह का शाब्दिक अर्थ 'ईश्वर की पार्टी' है, जो विचारधारा के रूप में ईरान के सर्वोच्च नेता के प्रति निष्ठा रखता है। हिजबुल्लाह के पास रॉकेट, मिसाइल और दूसरे छोटे हथियारों का विशाल जखीरा है। हिजबुल्लाह को लेबनानी सेना से भी अधिक मजबूत माना जाता है।ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने कहा कि उसने संघर्षविराम को स्वीकार कर लिया है और वह शुक्रवार से पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिका से बातचीत करेगा। हालांकि, न तो ईरान और न ही अमेरिका ने यह बताया कि संघर्षविराम कब से लागू होगा। इस बीच बुधवार सुबह इजराइल, ईरान और खाड़ी क्षेत्र में हमले जारी रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के एक अधिकारी के अनुसार, इजरायल भी संघर्षविराम के लिए सहमत हो गया है।

सौरव गांगुली पर भड़कीं स्वास्तिका मुखर्जी, राहुल बनर्जी मौत के बयान पर फूटा गुस्सा

कोलकाता। 'भोले बाबा पार करेगा' की शूटिंग के दौरान समंदर में डूबने से राहुल अरुणोदय बनर्जी की मौत मामले पर क्रिकेटर सौरभ गांगुली ने जो कॉमेंट किया है, उसे लेकर लोगों में नाराजगी है। अब एक्ट्रेस स्वास्तिका मुखर्जी ने भी क्रिकेटर की बातों की निंदा की और कॉमेंट के लहजे पर सवाल खड़ा किया है। हाल ही में एक्टर राहुल अरुणोदय बनर्जी की समुद्र में डूबने से मौत हो गई, जिसके बाद से बंगाली फिल्म इंडस्ट्री में काफी मायूसी का माहौल है। जहां बांग्ला फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री के कलाकारों और तमाम टेक्नीशियन ने वर्कप्लेस पर सुरक्षा की मांग को लेकर मंगलवार को दिनभर काम बंद रखा वहीं हाल ही में इस घटना पर सौरव गांगुली के बयान की काफी निंदा हो रही है। राहुल बनर्जी की मौत पर सौरव के कॉमेंट की एक्ट्रेस स्वास्तिका मुखर्जी ने भी काफी निंदा की है। राहुल बनर्जी की मौत के बाद से बंगाली फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री में काफी नाराजगी है। इस घटना को लेकर जहां उन्हें करीब से जानने वाले और उनके अपने शोक जता रहे हैं, वहीं पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली के एक बयान ने काफी बवाल मचा दिया है। हालांकि, गांगुली ने राहुल की मौत को लेकर दुख जताया और इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण' घटना बताया लेकिन इसके बाद एक ऐसी लाइन कह दी जिसे लोग बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। सौरव ने आगे कहा था, 'मुझे समझ नहीं आता कि वो पानी में क्यों गए, भले ही शूटिंग के लिए ही क्यों न हो।' सौरव की कही यही बातें लोगों को रास नहीं आईं। अब स्वास्तिका मुखर्जी ने क्रिकेटर के इस बयान पर नाराजगी जताई है और उनके इस कॉमेंट के लहजे पर सवाल खड़ा किया है। शर्मिला मैती के चैनल पर बात करते हुए स्वास्तिका मुखर्जी ने कहा, 'एक पब्लिक फिगर होने के नाते उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उनके मुंह से क्या शब्द निकल रहे हैं। मुझे क्रिकेट या फुटबॉल की समझ नहीं है। अब अगर मैं आपसे कहूं- कुछ लाइक्स के लिए आप यूट्यूब चैनल पर इतना समय क्यों बर्बाद कर रहे हैं? तो इस कॉमेंट में ही एक तरह का अपमान का भाव है। आप अपना काम अच्छे से कर रहे हैं और यही आपकी कमाई है। मेरी कमाई शायद इतनी न हो। मैं भले ही कोई बहुत बड़ी हस्ती हूं लेकिन अगर मैं आज कहूं कि आप ये यूट्यूब इंटरव्यू क्यों कर रही हैं? कुछ और कीजिए तो साफ है कि मैं तुरंत आपके काम को कमतर आंक रही हूं।'

कहा- उन्हें शूटिंग के तरीके जानने की जरूरत नहीं है उन्होंने आगे कहा, 'हर कोई हर चीज का जानकार नहीं हो सकता। अब वो जरूरी हैं और उनके बिना यह प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ पाएगा। लेकिन अगर राहुल पानी में नहीं उतरते तो उनकी जगह कोई और जाएगा। उनके कद के किसी भी पब्लिक फिगर को ये भी समझना चाहिए कि वो क्या बोल रहे हैं। वो सौरव गांगुली हैं और एसी फ्लोर पर एक नॉन-फिक्शन शो करते हैं। इसलिए उन्हें शूटिंग के तरीके जानने की जरूरत नहीं है। उन्हें हर वो चीज मिलती है जिसकी उन्हें जरूरत होती है क्योंकि वो सौरव गांगुली हैं। लेकिन दूसरे राहुल गांगुली को शायद ये सारी सुविधाएं न मिलें।' बता दें कि 29 मार्च को 42 वर्षीय राहुल अरुणोदय बनर्जी की मौत उस समय हो गई थी जब वह 'भोले बाबा पार करेगा' की शूटिंग कर रहे थे। तलसारी बीच पर शूटिंग के दौरान वह पानी में गए थे, तभी अचानक ज्वार आ गया और यह हादसा हो गया। इस घटना ने पूरे बंगाली फिल्म और टीवी जगत को गहरे सदमे में डाल दिया है। एक्टर अपने पीछे मां, पत्नी और 13 साल के बेटे को छोड़ गए हैं। इस घटना के बाद इंडस्ट्री के एक वर्ग ने इसकी निष्पक्ष और विस्तृत जांच की मांग की है। साथ ही उन्होंने कहा है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए हर शूटिंग लोकेशन पर पुख्ता सुरक्षा इंतजाम किए जाने चाहिए। कलाकारों ने विशेष रूप से यह मांग उठाई है कि हर सेट पर एम्बुलेंस जैसी जरूरी सुविधाएं जरूर मौजूद होनी चाहिए।इस मामले में उनकी पत्नी प्रियंका सरकार ने कानूनी कदम भी उठाया है। उन्होंने कोलकाता के रीजेंट पार्क पुलिस स्टेशन और ओडिशा के तलसारी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। साथ ही 'मैजिक मोमेंट्स' नाम की प्रोडक्शन कंपनी से जुड़े पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई गई है, जो इस शूटिंग के लिए जिम्मेदार माने जा रहे हैं।

अक्षय कुमार नाम बदलते ही मिली पहली फिल्म,जिस बंगले में नहीं मिली एंट्री वही खरीदा,शार्क का शिकार बनने से बाल-बाल बचे

मुंबई। अक्षय कुमार यानी एक ऐसा नाम, जिसने अपनी मेहनत के दम पर बॉलीवुड में बहुत ऊंचा मुकाम हासिल किया। साधारण परिवार में जन्मे अक्षय ने कभी शेफ का काम किया, कभी वेटर बने, कभी बच्चों को मार्शल आर्ट्स सिखाए और कभी लाइटमैन भी बने। फिर मॉडलिंग की और जब फिल्मों में आए, तो अपने एक्शन से लोगों का दिल जीता।

कॉमेडी में आए तो अपनी डायलॉग डिलीवरी से सबको खूब हंसाया। साथ ही उन्होंने कई अलग-अलग तरह के रोल निभाए। 1990 के दशक में करियर की शुरुआत करने वाले अक्षय कुमार की गिनती आज भी बॉलीवुड के टॉप अभिनेताओं में होती है। अक्षय कुमार का असली नाम राजीव भाटिया है, उनका जन्म 9 सितंबर 1967 को हुआ था। उनके पिता हरि ओम भाटिया आर्मी ऑफिसर थे और मां अरुणा भाटिया गृहिणी थीं। बचपन में ही उनके पिता के ट्रांसफर से परिवार दिल्ली से मुंबई आ गया। छुट्टियों में वे अक्सर चांदनी चौक जाते थे। अक्षय बचपन से ही खेल-कूद में बहुत रुचि रखते थे।जब अक्षय सातवीं क्लास में थे तो उनके नंबर अच्छे नहीं आए। पिता गुस्सा हुए और पूछा कि आगे क्या करना है। अक्षय डर गए और लिखकर बताया कि वे हीरो बनना चाहते हैं। जिस पर पिता ने कहा था कि पढ़ाई जरूरी है, हिंदी-इंग्लिश आनी चाहिए। स्कूल के दिनों में बस में सफर करते हुए संजय दत्त के पोस्टर देखकर कहते थे कि एक दिन मैं भी ऐसा हीरो बनूंगा। अक्षय ने स्कूल

की पढ़ाई माटुंगा के डॉन बॉस्को हाई स्कूल से की। वहीं, उन्होंने कराटे सीखना भी शुरू किया। उनका पढ़ाई में ज्यादा मन नहीं लगता था और वे मार्शल आर्ट्स सीखना चाहते थे। पिता ने पैसे इकट्ठे कर उन्हें थाईलैंड (बैंकॉक) भेजा, जहां उन्होंने थाई बॉक्सिंग सीखी। अक्षय कुमार ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट हैं। करियर की शुरुआत में उन्होंने शेफ और वेटर का काम भी किया।भारत लौटने के बाद वे मार्शल आर्ट्स सिखाने लगे। एक दिन एक स्टूडेंट के पिता, जो मॉडल कोऑर्डिनेटर थे, ने उन्हें कहा, लंबे-चौड़े और अच्छे-खासे दिखते हो, मॉडलिंग क्यों नहीं करते? जिसके बाद अक्षय ने फर्नीचर का ऐड किया और इसके लिए उन्हें सिर्फ 2 घंटे के काम में 21 हजार रुपए मिल गए। जिस पर अक्षय ने सोचा कि मैं तो महीने भर में 5 हजार रुपए कमाता हूं। यहां इतने कम समय में इतने सारे पैसे मिल गए। जिसके बाद उन्होंने यहीं से मॉडलिंग करने का फैसला किया। इसके बाद उन्होंने फोटोग्राफर जयेश शेठ के यहां उनके असिस्टेंट और लाइटमैन के तौर पर काम किया। फिल्मों में वे बैकग्राउंड डांसर भी बने। जब अक्षय फोटोग्राफर जयेश शेठ के साथ लाइटमैन के तौर पर काम करते थे, तब एक बार फोटोशूट के दौरान गोविंदा ने उन्हें देखकर मजाकिया अंदाज में कहा था- 'ओए, हीरो क्यों नहीं बनता तू?' इस पर अक्षय ने कहा, 'सर, आप क्या मजाक कर रहे हैं?' , लेकिन गोविंदा ने दोबारा कहा -'हीरो बन, हीरो।' पहली बार अक्षय ने फिल्म 'आज' (1987) में एक कराटे इंस्ट्रक्टर का छोटा सा रोल प्ले किया था। यह रोल केवल 7-8 सेकेंड का था। इस फिल्म के बाद उन्होंने अपना नाम बदलने का फैसला किया। उन्होंने अपना नाम बदलकर अक्षय कुमार रख लिया। दरअसल, फिल्म 'आज' में लीड एक्टर कुमार गौरव के किरदार का नाम अक्षय था और उन्होंने वही नाम अपना लिया। नाम बदलने के बाद अक्षय ने सबसे पहले एक विजिटिंग कार्ड छपवाया। जिसमें उनका नया नाम और घर का पता लिखा था। उन्होंने बताया था- 'उस दिन सुबह मुझे कार्ड मिला और शाम को मुझे पहली फिल्म 'दीदार' मिल गई थी।' पहली लीड रोल फिल्म से जुड़ा एक और किस्सा है। दरअसल, अक्षय बेंगलुरु में ऐड शूट के लिए जाने वाले थे, लेकिन उनकी फ्लाइट छूट गई। निराश होने के बजाय अक्षय ने खाली समय में एक फिल्म प्रोड्यूसर से मिलने का फैसला किया। उसी मुलाकात की वजह से उन्हें फिल्म 'दीदार' में काम करने का मौका मिला। बाद में उन्हें और भी मूवी मिली, जिसमें 'सौगंध' भी शामिल थी, जो 1991 में 'दीदार' से पहले रिलीज हुई और इस तरह यह उनकी पहली फिल्म बनी। शुरुआती दौर में उनकी फिल्में खास प्रदर्शन नहीं कर पाईं, लेकिन 1992 में आई फिल्म 'खिलाड़ी' ने उन्हें खास पहचान दिलाई। इसके बाद 'मोहरा', 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' और 'ये दिल्लगी' जैसी हिट फिल्मों ने उन्हें स्टार बना दिया। 90 के दशक में 'खिलाड़ी' सीरीज से वे एक्शन हीरो के रूप में लोगों के बीच पॉपुलर हो गए। वहीं, 'अफलातून' जैसी फिल्मों में उनका अलग अंदाज दिखा। अपने करियर के दौरान अक्षय ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। हालांकि वो इंडस्ट्री से गायब नहीं हुए। अक्षय कुमार ने बताया था कि लगातार 16 फ्लॉप फिल्मों के बावजूद उन्हें काम मिला क्योंकि वे हमेशा प्रोफेशनल और समय के पाबंद रहे। उन्होंने प्रोड्यूसर्स की बात मानी, सेट पर अनुशासन रखा और कभी मनमानी नहीं की।साल 2000 में आई कॉमेडी फिल्म 'हेरा फेरी' ने अक्षय की इमेज बदल दी। इस फिल्म ने अक्षय को कॉमेडी हीरो के रूप में नई पहचान दी। साल 2000 से 2010 के बीच 'मुझसे शादी करोगी', 'दीवाने हुए पागल', 'खट्टा मीठा', 'भागम भाग', 'दे दना दन', 'गरम मसाला', 'हे बेबी', 'भूल भुलैया' और 'वेलकम' जैसी फिल्मों में लोगों ने उनकी कॉमेडी को खूब पसंद किया। वहीं, इस दौरान उन्होंने 'धड़कन', 'अजनबी', 'अंदाज' और 'खाकी' जैसी फिल्मों में अलग तरह के किरदार भी निभाए। 'अजनबी' के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ विलेन का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। पिछले एक दशक में अक्षय कुमार ने ऐसी फिल्मों में ज्यादा काम किया, जिनमें मनोरंजन के साथ सामाजिक संदेश था और कुछ फिल्में इतिहास से भी जुड़ी थीं। जिसमें 'एयरलिफ्ट', 'रुस्तम', 'टॉयलेट: एक प्रेम कथा', 'पैडमैन', 'बेलबॉटम', 'केसरी', 'सम्राट

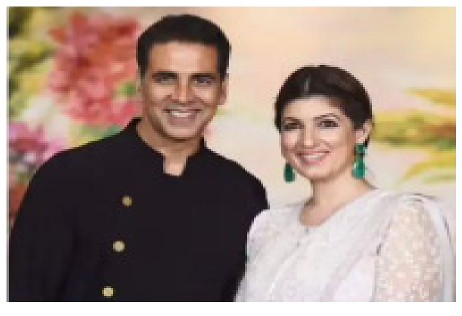

पृथ्वीराज', 'रक्षाबंधन', 'सिरफिरा' और 'राम सेतु' जैसी फिल्में शामिल हैं। रुस्तम और पैडमैन के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला। अक्षय 2018 में रजनीकांत के साथ 2.0 और 2019 में 'गुड न्यूज' जैसी फिल्मों भी नजर आए।हालांकि 2020 के बाद उनका करियर फिर उतार-चढ़ाव से गुजरा। 'लक्ष्मी', 'बच्चन

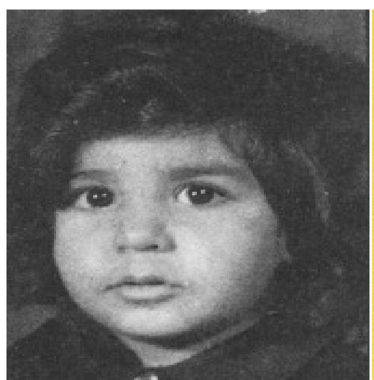

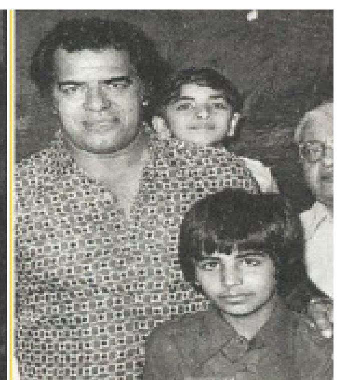

पांडे', 'सम्राट पृथ्वीराज', 'रामसेतु' और 'सेल्फी' जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाईं, लेकिन 'ओएमजी 2' ने उन्हें फिर से चर्चा में ला दिया। टीचर को दिल दे बैठे थे अक्षय कुमार- अक्षय कुमार ने बताया था कि स्कूल के दिनों में उन्हें अपनी एक टीचर पर क्रश था। अक्षय ने हिम्मत जुटाकर अपनी टीचर से कहा -'आई लव यू।' इस पर टीचर ने मुस्कुराते हुए उनके सिर पर हाथ फेरा और कहा-'आई लव यू टू।' इसके बाद अक्षय ने बताया था कि यह किस्सा वहीं खत्म हो गया। बता दें कि अक्षय कुमार का नाम रवीना टंडन और शिल्पा शेट्टी जैसी एक्ट्रेस से जुड़ा। दोनों के साथ रिश्तों ने खूब सुर्खियां बटोरीं। जब आप की अदालत में अक्षय कुमार से सवाल पूछा गया था कि आपको लेकर शिल्पा शेट्टी ने कहा था कि अक्षय ने धोखा दिया और चीटिंग की थी। इस पर अक्षय कुमार ने कहा था- 'देखिए, इसका उत्तर मेरे पास नहीं है। इसका जवाब वही दे सकता है, जो यह बातें बोलता है। मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि मैं एक मैन हूं और मैंने अपनी जिंदगी में कभी किसी के बारे में कुछ बुरा नहीं कहा। न ही मैं कहना चाहता हूं और न ही आपके शो पर कहूंगा।' अक्षय ने आगे कहा था- 'मैंने हमेशा चुप्पी साधी है क्योंकि मैं एक परफेक्ट जेंटलमैन हूं। मैं कभी अपनी प्राइवेट लाइफ के बारे में बात नहीं करूंगा।' अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना की शादी 17 जनवरी 2001 को हुई थी। टीवी शो 'यारों की बारात' में अक्षय कुमार ने बताया था कि उनकी पहली मुलाकात ट्विंकल खन्ना से फिल्मफेयर के फोटोशूट के दौरान हुई थी। इसके बाद वे फिल्म 'जुल्मी' की शूटिंग के दौरान मिले, जहां से उनका अफेयर शुरू हुआ। करीब ढाई साल बाद अक्षय ने उन्हें शादी के लिए प्रपोज किया। वहीं, अपने रिश्ते को लेकर ट्विंकल खन्ना ने कई इंटरव्यू में बताया है कि यह रिश्ता शुरू में सिर्फ 15 दिन का फ्लिंग था। वे एक लंबे रिश्ते से बाहर आई थीं और शूटिंग के दौरान बोर हो रही थीं। उस वक्त उन्होंने सोचा कि अक्षय के साथ वक्त बिताना अच्छा रहेगा। ट्विंकल ने मजाक में कहा भी था - 'वो छह फीट लंबे चॉकलेट आइसक्रीम जैसे थे, और मैंने तय किया कि 15 दिन तक ही रिश्ता चलेगा।' लेकिन धीरे-धीरे यह रिश्ता गहराता चला गया। राज्यसभा टीवी के कार्यक्रम 'गुफ्तगू' को दिए इंटरव्यू में अक्षय कुमार ने कहा था कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरी शादी राजेश खन्ना की बेटी से होगी। मैं तो उनके ऑफिस में काम की तलाश में अपनी फोटो लेकर जाया करता था। उस समय वे कहते थे- 'ठीक है बेटा, बाद में आना, मैं अभी फिल्म बना रहा हूं।' अक्षय कुमार उन एक्टर्स में गिने जाते हैं, जो शूटिंग के दौरान स्टार्स के साथ मजाक-मस्ती करते हैं। ऐसा ही एक किस्सा रितेश देशमुख ने 'द कपिल शर्मा शो' में बताया था। उन्होंने कहा था कि फिल्म 'हे बेबी' की शूटिंग के दौरान अक्षय कुमार ने उनके फोन से विद्या बालन को शरारत में 'आई लव यू' का मैसेज भेज दिया। यह देखकर रितेश हैरान रह गए। हालांकि मजेदार मोड़ तब आया जब विद्या बालन ने उस मैसेज के जवाब में किस वाला स्माइली भेजा। रितेश को समझ नहीं आया कि आखिर यह सब हुआ कैसे। बाद में सच्चाई सामने आई कि विद्या का मोबाइल उस वक्त अक्षय कुमार के पास था और उन्होंने ही यह पूरा मजाक किया था। यह बात तो जगजाहिर है कि अक्षय कुमार फिल्मों में अपने स्टंट खुद करते हैं। अक्षय ने 'खिलाड़ी 420', 'ब्लू', 'सिंह इज ब्लिंग' जैसी फिल्मों में खतरनाक स्टंट किए हैं। 'खिलाड़ी 420' के लिए अक्षय कुमार ने एक बेहद खतरनाक स्टंट किया था, जिसमें उन्हें हवाई जहाज से गुब्बारे पर कूदना पड़ा। यह स्टंट इतना रिस्की था कि इसमें 70फीसदी मौत की संभावना और केवल 30फीसदी बचने की संभावना थी। वहीं, फिल्म ब्लू की शूटिंग के दौरान अक्षय पानी में 70-80 फीट नीचे गए थे। वहां उनके सिर पर चोट लगी और खून निकलने लगा। उन्होंने बताया कि खून शार्क को आकर्षित करता है, इसलिए स्थिति बेहद खतरनाक हो गई थी, लेकिन टीम ने तुरंत उन्हें बाहर निकाला और उनकी जान बची। अगर थोड़ी भी देरी होती तो अक्षय शार्क का खाना बन जाते। अक्षय ने हाल ही बताया था कि उन्हें एक्शन सीन की प्रेरणा कार्टून शो टॉम एंड जेरी से आती है। हेलिकॉप्टर से लटकने या खतरनाक स्टंट्स, उन्होंने उसी कार्टून से सीखा और पर्दे पर उतारा। अक्षय कुमार अपने शुरुआती दिनों में पोर्टफोलियो शूट के लिए एक बार जुहू बीच के पास एक बंगले के अंदर जाना चाहते थे, लेकिन चौकीदार ने मना कर दिया। मजबूरी में अक्षय ने उसी बंगले की बाहर वाली दीवार पर बैठकर अपना फोटोशूट करवाया। सालों बाद, जब उन्होंने पुरानी तस्वीरें देखी तो हैरान रह गए कि वही दीवार, उसी का हिस्सा है, जिस बंगले में वे रह रहे हैं। फिल्म 'कीमत' की शूटिंग के दौरान रणवीर सिंह भी वहां पहुंचे थे। उस समय रणवीर छोटे थे और उन्हें वहां से धक्का देकर बाहर निकाला जा रहा था, जिससे वे रोने लगे। तभी अक्षय की नजर रणवीर पर पड़ी तो उन्होंने अपने सिक्योरिटी गार्ड्स से उन्हें सेट के अंदर लाने को कहा।

धुरंधर-2 पर रिएक्ट न करने पर ट्रोल हुई दीपिका पादुकोण,बोलीं- ज्यादा सोच रहे हैं, मैंने ये फिल्म आप सबसे पहले देखी है

मुंबई। फिल्म धुरंधर-2 और उसकी सक्सेस पर रिएक्ट न करने पर दीपिका पादुकोण ट्रोलर्स के

निशाने पर आ गईं। ट्रोलर्स ने ये तक कहा कि दीपिका एक सपोर्टिव वाइफ नहीं हैं, क्योंकि वो रणवीर की फिल्म को न ही प्रमोट कर रही हैं और न ही उसकी सराहना कर रही हैं। हालांकि लंबी चुप्पी के बाद अब दीपिका ने इस पर मजेदार जवाब दिया है। सोशल मीडिया पर एक ट्रोलर ने रील के कमेंट सेक्शन में सवाल उठाया है कि 'क्या दीपिका की चुप्पी कोई मैसेज है या फिर लोग जरूरत से ज्यादा सोच रहे हैं?' उस पोस्ट में यूजर ने एक पोल भी चलाया था। इस कमेंट के जवाब में दीपिका पादुकोण ने फिरकी लेते हुए कहा, 'दूसरा वाला, मेरे दोस्त। पीएस मैंने यह आप सबसे पहले ही देख ली थी। अब जोक किस पर है?' जहां कुछ लोग दीपिका को ट्रोल कर रहे हैं, वहीं कुछ यूजर्स ऐसे भी हैं, जो एक्ट्रेस के सपोर्ट में उतरे हैं। एक यूजर ने ट्रोलर को लिखा, क्या आप भूल गए कि वो साथ रहते हैं। बता दें कि धुरंधर 2 से पहले दिसंबर 2025 में रिलीज हुई धुरंधर के लिए भी दीपिका को सवालों के घेरे में डाल दिया गया था। हालांकि फिल्म सक्सेस के बाद एक्ट्रेस ने एक पब्लिक इवेंट में न सिर्फ फिल्म की तारीफ की, बल्कि पूरी टीम को बधाई भी दी थी। धुरंधर-2 को सपोर्ट कर रही है पूरी इंडस्ट्री- बता दें कि लंबे समय बाद सुपरहिट हुई इस फिल्म को पूरी फिल्म इंडस्ट्री का सपोर्ट मिल रहा है। सभी कलाकार फिल्म की तारीफ कर रहे हैं। हाल ही में अनुष्का शर्मा, विराट कोहली, विक्की कौशल जैसे कई सेलेब्स ने फिल्म और डायरेक्टर आदित्य धर की तारीफ की है।19 मार्च को रिलीज हुई फिल्म धुरंधर 2 ने अब तक 1622 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। ये बॉलीवुड की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुक है। वहीं इंडियन फिल्मों की बात करें तो ये चौथे नंबर पर है।

आंखों की रोशनी बढ़ाएं,रेगुलर करें ये 8 आई एक्सरसाइज डाइट में शामिल करें ये हेल्दी चीजें, न करें 8 गलतियां

मौजूदा वक्त में मोबाइल, लैपटॉप और टीवी हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा हैं।

ये चीजें जिंदगी में इस कदर हावी हो गई हैं कि हम अपनी नींद भी पूरी नहीं कर पाते हैं। इसका सीधा असर आंखों पर पड़ता है। नतीजतन आंखों की रोशनी कम हो रही है। उम्र के साथ नजर कमजोर होना कॉमन है, लेकिन बच्चों और युवाओं में ये समस्या चिंता का विषय है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या आंखों की रोशनी फिर से बढ़ सकती है। क्या इसका कोई नेचुरल तरीका हो सकता है। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. दिग्विजय सिंह, कंसल्टेंट, ऑप्थेल्मोलॉजी, धर्मशिला नारायणा सुपरस्पेशिलिटी हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से सवाल- उम्र के साथ स्वाभाविक ढंग से आंखों की रोशनी कम होती है। लेकिन क्या उम्र के अलावा खराब लाइफस्टाइल और आदतों से भी आंखों की रोशनी कमजोर हो सकती है? जवाब- एजिंग के अलावा खराब लाइफस्टाइल भी आंखों की रोशनी को प्रभावित करती है। जैसेकि-पोषण की कमी (खासकर विटामिन ए,सी और ओमेगा-3) से नजर कमजोर हो सकती है। लंबे समय तक मोबाइल, कंप्यूटर या टीवी स्क्रीन देखने से आंखों पर तनाव बढ़ता है। नींद पूरी न होने और लगातार आंखों के बहुत थकने से भी नुकसान हो सकता है। स्मोकिंग, धूल-धुएं और तेज रोशनी के संपर्क में रहने से भी आंखों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। कम रोशनी में पढ़ने या बारीक काम करने से नजर कमजोर हो सकती है। अंधेरे कमरे में ब्राइट लाइट वाली स्क्रीन (टीवी, मोबाइल, आईपैड, लैपटॉप) देखने से नजर कमजोर हो सकती है।सवाल- क्या आंखों की रोशनी बढ़ाई भी जा सकती है? जवाब- आंखों की रोशनी पूरी तरह बढ़ाना संभव नहीं है, लेकिन इसे बेहतर किया जा सकता है। हेल्दी और संतुलित डाइट आंखों को सपोर्ट करती है। साथ सही लाइफस्टाइल से आंखों की रोशनी को लंबे समय तक हेल्दी रखा जा सकता है। सवाल- आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए क्या करना चाहिए? जवाब- इसके लिए हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाना सबसे जरूरी है, जैसेकि- डाइट में विटामिन, मिनरल से भरपूर चीजें जैसे गाजर, पालक, ब्रॉकली और खट्टे फल शामिल करें।लगातार लंबे समय तक मोबाइल या लैपटॉप देखने से बचें। बीच-बीच में आंखों को आराम दें। धूप में बाहर निकलते समय युवी (अल्ट्रा वॉयलेट) प्रोटेक्शन वाले सनग्लासेस पहनें। ये आंखों को नुकसान से बचाते हैं। नियमित एक्सरसाइज करें और वेट मेंटेन रखें। डायबिटीज कंट्रोल में रखें। समय-समय पर आई-चेकअप करवाते रहें।सवाल- आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए कौन-सी एक्सरसाइज करनी चाहिए? जवाब- आंखों की एक्सरसाइज करने से आई-मसल्स रिलैक्स होती हैं और तनाव कम होता है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने वालों के लिए नियमित ब्रेक और आई एक्सरसाइज फायदेमंद होती है। पामिंग (आंखों पर हथेली रखकर आराम करना) करने से आंखों को आराम मिलता है और थकान कम होती है। ब्लिंकिंग एक्सरसाइज (जल्दी-जल्दी पलकें झपकाना) से आंखों में नमी बनी रहती है और ड्राईनेस कम होती है। आई-फोकस बदलने की एक्सरसाइज से आंखों की फोकस करने की क्षमता बेहतर होती है।हालांकि, एक्सरसाइज से आंखों की रोशनी पूरी तरह नहीं लौटती, लेकिन आई स्ट्रेन और थकान जरूर कम होती है।सवाल- आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए हमारी डाइट कैसी होनी चाहिए? जवाब- आई हेल्थ के लिए विटामिन ए,सी, ई जिंक और ओमेगा-3 फैटी एसिड बेहद महत्वपूर्ण हैं। डिटेल पॉइंटर्स से समझें-विटामिन ए रेटिना को स्वस्थ रखता है। इससे विजन क्लियर होता है। एंटीऑक्सिडेंट आंखों को उम्र से जुड़ी समस्याओं से बचाता है। ल्यूटिन और जीएक्सैंथिन जैसे पोषक तत्व रेटिना को ब्लू लाइट से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। डेली डाइट में हरी सब्जियां, रंग-बिरंगे फल, नट्स और हेल्दी फैट शामिल करना फायदेमंद है। संतुलित और पौष्टिक डाइट से आंखों की रोशनी लंबे समय तक अच्छी बनी रह सकती है।सवाल- किन विटामिन्स की कमी से आंखों की रोशनी कमजोर होती है? उन विटामिन्स को फूड में कैसे शामिल करें? जवाब- इसके लिए कई विटामिन जरूरी होते हैं- विटामिन ए की कमी से 'नाइट ब्लाइंडनेस' और 'ड्राई आई' की समस्या हो सकती है। इसे पूरा करने के लिए गाजर, शकरकंद, पालक और कद्दू खाएं। विटामिन सी की कमी से आंखों में ऑक्सिडेटिव डैमेज बढ़ सकता है। इसके लिए डाइट में संतरा, आंवला, नींबू और स्ट्रॉबेरी शामिल करें। विटामिन ई की कमी से रेटिना की सेल्स डैमेज हो सकती हैं। इसके लिए बादाम, सूरजमुखी के बीज और मूंगफली अच्छे सोर्स हैं। जिंक की कमी होने पर रेटिना तक विटामिन ए नहीं पहुंच पाता है। इसके लिए कद्दू के बीज, सभी प्रकार की दालें और मोटे अनाज खाएं। सवाल- क्या आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए सप्लीमेंट्स लेना सही है? जवाब- अगर डाइट संतुलित है, तो आमतौर पर सप्लीमेंट्स की जरूरत नहीं होती है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।